प्रवेश एवं जानकारी विवरणिका

Admission & Information Brochure

वर्ष : 2026-27

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदुर

जिला - कबीरधाम (छ.ग.) 491559

Website : gnckuikukdur.org
Email : kuikukdurcollege@gmail.com

प्राचार्य की कलम से...

प्रिय विद्यार्थियों,

'' **न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते**'' (इस संसार में दिव्य ज्ञान के समान मनुष्य को पवित्र करने वाला कुछ भी नहीं है) के आदर्श वाक्य के साथ जून 2018 में स्थापित शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई- कुकदूर के शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर परिवेश में आपका स्वागत है। यह महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ साथ उनमें कौशल अभिवृद्धि, सम्प्रेषण क्षमता का विकास, मानव निर्माण तथा मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने हेतु कृतसंकल्पित है। महाविद्यालय में उपलब्ध आधारभूत संसाधनों का समुचित एवं अनुकूलतम उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को 21वीं सदी के भारत के समर्थ सशक्त एवं संयमित युवा के रूप में विकसित करते हुए ''विकसित भारत 2047'' की परिकल्पना को साकार करना मूल उद्देश्य है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय बी.ए., विज्ञान संकाय में बी.एस.सी. एवं वाणिज्य संकाय में बी.काम. के पाठ्यक्रम संचालित है। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को अपने संकाय से अलग संकाय के एक विषय को (जो महाविद्यालय में संचालित हैं) एवं महाविद्यालय में समय समय पर संचालित कौशल उन्नयन पाठ्यक्रम तथा मूल्य संवर्द्धन पाठ्यक्रम को चयन करने की स्वंतत्रता है। क्षमता उन्नयन पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी हिन्दी, अंग्रेजी एवं पर्यावरण अध्ययन के विषयों का ज्ञानार्जन कर सकेंगें।

स्नातकोत्तर स्तर पर महाविद्यालय में विज्ञान संकाय के अंतर्गत रसायनशास्त्र तथा कला संकाय के अंतर्गत राजनीति विज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र एवं हिन्दी के पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य संपादित किया जाता है ।

महाविद्यालय में विभिन्न विषयों के परिषदों के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन के साथ उनके व्यक्तित्व के विकास की ओर ध्यान दिया जाता है। विद्यार्थियों को टेक्नॉलाजी में दक्ष बनाने हेतु कम्प्यूटर लैब के माध्यम से लघु पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं जो पूर्णत: नि:शुल्क हैं। शारीरिक विकास हेतु योग एवं व्यायामशाला के साथ बैडमिंटन कोर्ट, कैरम स्पेस, शुद्ध पेयजल, गर्ल्स कॉमन रूम, साफ सुथरा प्रसाधन कक्ष, व्यवस्थित प्रयोगशाला, व्यवस्थित ग्रंथालय, विभिन्न विषयों के परिषद, इंग्लिश क्लिनिक, इंग्लिश स्पीकिंग क्लब, विद्यार्थियों के क्षमता उन्नयन हेतु विद्यार्थी विकास कार्यक्रम इत्यादि की सुविधा भी उपलब्ध है।

महाविद्यालय के प्रांगण में भारतीय ज्ञान परंपरा को मूर्तरूप देने के उद्देश्य से ''गुरूकुल'' की परंपरा को साकार करते हुए ''सरस्वती मुक्ताकाश मंच'' की स्थापना की गई है जहां विद्यार्थी अन्यान्य विषयों पर शिक्षकों से चर्चा कर सकते हैं। यह खुला मंत्र महाविद्यालय के प्रांगण में पेड़ों के छाव तले निर्मित है जो पर्यावरण के प्रति प्रेम एवं जिम्मेदारी को भी संप्रेषित करता है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदूर में प्रवेश लेकर आप उत्तम जीवन मूल्यों को आत्मसात् करते हुए सामाजिक समरसता, राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देंगें।

महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम, अनुभवी शिक्षकों का साथ, आयोजित किए जाने वाले समस्त शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर कार्यक्रमों के माध्यम से आप एक सफल नागरिक बनकर समाज के, छत्तीसगढ़ के एवं भारत के यशस्वी विकास के साथी बनेंगे, यही आपसे अपेक्षा है।

इन्हीं भावनाओं के साथ आपका अध्ययनकाल आपके जीवन का स्वर्णिमकाल बने।

शुभकामनाओं सहित.....

प्रो. (डॉ.) जी.ए.घनश्याम

प्राचार्य

शैक्षणेत्तर गतिविधियां

शैक्षणिक गतिविधियां

कबर्धा-बेमेतरा 19-06-2026

कुरई-कुकदुर कॉलेज की अनूठी पहल

युवाओं ने सीखा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पाठ

1200 फीट ऊंचे पहाड़ पर बसे सेजाड़ीह पहुंची शिक्षा की टोली,

बच्चों को बांटी अध्ययन सामग्री

वनांचल में जहां सड़कें मुश्किल थीं, वहां विद्यार्थियों ने बच्चों के सपनों को दिया सहारा

कुरई-कुकदूर कॉलेज की टीम ने बच्चों को नाश्ता एवं अध्ययन सामग्री वितरित किया

कॉलेज परिवार के इस प्रयास की सराहना की

आगे भी जारी रखेंगे इस अभियान को सफलतापूर्वक सेवा योजना के स्वयंसेवकों और कॉलेज के छात्र-छात्राओं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी आपकी मदद से बच्चों के चेहरों पर खुशियां आई हैं। यह सेवा और सहयोग की प्रेरणा देते हैं।

शिक्षा को जीवन बदलने का बड़ा माध्यम बताया

नियमित स्कूल जाने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया और भविष्य के लिए प्रेरित किया।

सामाजिक उत्तरदायित्व को दिया गया संदेश

सेवा भावना, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया।

बच्चों के चेहरों पर दिखा उत्साह

अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशियां देखने को मिली और उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

इस अभियान की खास बातें

- 1200 फीट ऊंचे पहाड़ पर स्थित सेजाडीह गांव तक पहुंची शिक्षा टोली
- कठिन रास्तों के बावजूद विद्यार्थियों ने पहुंचाई सहायता।
- बच्चों को नाश्ता, अध्ययन सामग्री (कॉपियां, पेन, पेंसिल आदि) वितरित
- छात्र-छात्राओं ने सीखा सहयोग, संवेदना और जिम्मेदारी का पाठ
- ग्रामीण बच्चों को मिला प्रोत्साहन और प्रेरणा
- समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने की दिशा में प्रेरक पहल

"हम मानते हैं कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और सेवा हमारा कर्तव्य। हमारा यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।"
– कुरई-कुकदूर कॉलेज परिवार

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 19-06-2026

कुरई-कुकदूर कॉलेज की अनूठी पहल • युवाओं ने सीखा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पाठ

1200 फीट ऊंचे पहाड़ पर बसे सेजाडीह पहुंची शिक्षा की टोली, बच्चों को बांटी अध्ययन सामग्री

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 21-06-2026

मार्गदर्शन • नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने कामटी में विद्यार्थियों को किया जागरूक

शिक्षा ग्रहण कर बेहतर करियर बनाने किया प्रेरित

स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना जरूरी

GOVT. NAVEEN COLLEGE, KUI-KUKDUR

Block - Pandriya, Distt. Kabirdham (C.G.) 491559

प्रवेश एवं जानकारी विवरणिका

Admission & Information Brochure

वर्ष : 2026-27

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदुर

जिला - कबीरधाम (छ.ग.) 491559

Website : gnckuikukdur.org, Email : kuikukdurcollege@gmail.com

शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर : संक्षिप्त परिचय

अनुसूचित जनजाति एवं बैगा बाहुल्य क्षेत्र में शैक्षणिक मूल्यों की स्थापना और समाज के पिछड़े वर्गो तक ज्ञान के प्रचार–प्रसार हेतु छ.ग. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई–कुकदुर की स्थापना जून 2018 में की गई। विगत् 08 वर्षों से भी अधिक समय से यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं । संकायों का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम तथा रोजगारोन्मुखी मार्गदर्शन यहाॅं के वैशिष्ट्य है । उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने कीर्तिमान के साथ महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अमूल्य सहयोग से अपने सीमित संसाधनों का अधिकतम एवं अनुकूलतम उपयोग करते हुए महाविद्यालय नित–निरंतर नवाचार को बढ़ावा दे रहा है । आधुनिक तकनीक एवं आईसीटी के समुचित उपयोग के साथ कौशल उन्नयन एवं विभिन्न विधाओं के माध्यम से अध्ययन–अध्यापन कराते हुए विद्यार्थियों को व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना महाविद्यालय का मूल उद्देश्य है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में विभिन्न प्रकोष्ठ एवं समितियों का गठन किया गया है जो निरंतर विद्यार्थियों को समर्थ, सक्षम एवं सदृढ़ बनाने तथा विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने की ओर अग्रसर है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) एवं रेडक्रास की सक्रिय इकाईयाँ कार्यरत है जिनके माध्यम से विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास, सामाजिक समरसता एवं सम्प्रेषण क्षमता में विकास होता है। महाविद्यालय का क्रीड़ा–विभाग अनेक कीर्तिमान स्थापित कर चुका है । उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आए विश्वव्यापी बदलाव के मद्देनजर पारम्परिक उच्च शिक्षा के साथ–साथ ज्ञान और कौशल का समावेश करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का व्यापक दृष्टिकोण महाविद्यालय ने अपनाया है । महाविद्यालय के विद्यार्थी अपने लिए स्वयं का रोजगार भी निर्मित कर सकें ऐसी व्यवस्था पाठ्यक्रम के अंश रूप में अथवा पाठ्येत्तर गतिविधियों के रूप में स्थापित की गई है । महाविद्यालय का प्रयास रहता है कि छात्र–छात्राओं में कौशल का विकास हो सके ताकि पारम्परिक उपाधि ग्रहण करने के साथ वे जीवनोपयोगी दक्षताओं में भी सक्षम हो सकें और उनमें उद्यमिता विकसित हो सके । इसका भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है ।

महाविद्यालय में प्रविष्ट प्रत्येक विद्यार्थी का विकास अध्ययन–अध्यापन तक ही सीमित नहीं है अपितु महाविद्यालय के प्राचार्य से लेकर प्रत्येक कर्मचारी तक विद्यार्थियों के समुचित व्यक्तित्व विकास हेतु नैतिक मूल्य बोध, कैरियर निर्माण, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सामाजिक पर्यावरणीय संचेतना का विकास, स्वरोजगार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि अन्यान्य महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तत्पर रहते हैं । महाविद्यालय के अनेक भूतपूर्व छात्र–छात्राएं समाज के प्रतिष्ठित पदों पर स्थापित हैं और अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर रहें हैं ।

''शिक्षार्थ आइए एवं सेवार्थ जाइए'' के मूलमंत्र के साथ वनवासी अंचल में उच्च शिक्षा की अलख जगाता हुआ शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई–कुकदुर विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन हेतु एक अभिनव संस्था है ।

आपका शिक्षा के गुरूकुल में हार्दिक स्वागत है ।

--00--

महाविद्यालय की नवाचार की बयार

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई–कुकदूर कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा की अलख जगाने के साथ विद्यार्थियों एवं स्टाफ हेतु लगातार नवाचार से प्रेरित कार्य कर रहा है। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास के साथ उन्हें आज की तकनीक से परिचित कराकर समर्थ, सशक्त एवं विकसित भारत के जागरूक युवा के रूप में गढ़ने का कार्य किया जा रहा है। नवाचार की बयार के अंतर्गत महाविद्यालय में निम्नलिखित नवोन्मेषी विचारों को मूर्तरूप प्रदान किया गया है।

फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम :- प्रति शुक्रवार को प्रत्येक विभाग के शिक्षक के द्वारा उनके विषय से संबधित किसी समसामयिक विषय पर 50 मिनट का व्याख्यान पॉवर पॉइंट के माध्यम से किया जाता है। अंत में 10 से 20 मिनट तक विभिन्न प्रश्न एवं तत्संबंध में विषय पर चर्चा की जाती है। वर्ष विद्यार्थियों के 2026 से प्रारंभ इस फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम की कुल 11 कड़ियाँ संपन्न हो चुकी हैं।

फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम :- महाविद्यालय में सत्र 2026 से शिक्षकों के शिक्षण कौशल, अनुसंधान क्षमताओं तथा तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है जिसका लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके।

एम ओ यू पर हस्ताक्षर :- महाविद्यालय द्वारा क्षेत्र के एवं राज्य के महाविद्यालयों में उपलब्ध्य मानव संभावनाओं एवं संसाधनों का विद्यार्थियों एवं प्रदेश के हित में अधिकतम एवं अनुकुलतम उपयोग करने हेतु 06 महाविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है एवं तदनुसार व्याख्यानमाला का आयोजन भी किया जा रहा है।

स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम :- विद्यार्थियों के क्षमता एवं कौशल संवर्धन, सम्प्रेषण कौशल, व्यक्तित्व विकास एवं समग्र विकास के साथ उनके करियर के सबंध में विशेषज्ञों को आमंत्रित कर व्याख्यान, कार्यशाला, संगोठी एवं चर्चा हेतु स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम वर्ष 2026 से प्रारंभ किया गया है।

विभागीय परिषदों का गठन :- महाविद्यालय के समस्त विभागों में विभागीय परिषदों का गठन वर्ष 2026 में किया गया है। इस परिषद् के माध्यम से विद्यार्थी अपनी कला को आयाम देते हुए परिषद् के अंतर्गत आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय एवं रचनात्मक भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।

सरस्वती मुक्ताकाश मंच एवं ज्ञान पंथ :- महाविद्यालय में विद्यार्थियों के हितार्थ पाठ्यक्रम के विषयों के अतिरिक्त अन्य समसामयिक विषयों एवं विद्यार्थियों से संबधित विषयों पर सार्थक चर्चा हेतु महाविद्यालय प्रांगण के उद्यान में छायादार वृक्षों के नीचे ''**सरस्वती मुक्ताकाश मंच** '' एवं ''**ज्ञान पथ**'' की स्थापना की गई है। यह मंच एवं पथ विद्यार्थियों को गुरूकुल परंपरा के अनुरूप भारतीय ज्ञान पद्धति से परिचय कराने का एक सशक्त स्थल है।

इंग्लिश स्पीकिंग क्लब एवं इंग्लिश क्लिनिक :- विद्याथियों को अंग्रेजी में होने वाली समस्याओं के समाधान हेतु इंग्लिश क्लिनिक एवं विद्यार्थियों, शिक्षकों, पालकों एवं अन्य सभी ग्रामीणों को अंग्रेजी बोलचाल हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से इंग्लिश स्पीकिंग क्लब प्रारंभ किया गया है।

संस्थागत सामाजिक दायित्व :- इंस्टीट्यूशनल सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (संस्थागत सामाजिक दायित्व) के अंतर्गत महाविद्यालय द्वारा महाविद्यालय के क्षेत्राधिकार के विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं समाज के हितार्थ महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों, करियर सबंधित, भाषायी कौशल, सम्प्रेषण कला, व्यतिव विकास इत्यादि पर समय समय पर चर्चा, कार्यशाला एवं व्याख्यान आयोजित किए जाएगे। इस हेतु समस्त उच्चतर माध्यमिक शालाओं से लींकेज किया जा रहा है।

कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदुर

विकासखंड - पण्डरिया, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

Email : kuikukdurcollege@gmail.com

:: महाविद्यालय में गठित प्रकोष्ठ एवं समितियां ::

क्र.	प्रकोष्ठ का नाम	संयोजक	सदस्य
1	संस्थागत विकास योजना एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ	प्रो. डॉ.ए.सी. वर्मा, प्राध्यापक	डॉ. सी.एस.राजपूत, सहा.प्रा. श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ. राजीव कुशवाहा, अतिथि व्या.
2	शैक्षणिक उन्नयन, शिक्षा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान विकास	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा.प्रा.	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ. धीरज शर्मा, अतिथि व्या. डॉ. कौसर नाजमी, अतिथि व्या.
3	ऑनलाईन शिक्षा, शिक्षण पोर्टल एवं अध्ययन सामग्री प्रकोष्ठ	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा.	डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ. धीरज शर्मा, अतिथि व्या. डॉ. कौसर नाजमी, अतिथि व्या. श्री गोविन्द यादव, अतिथि व्या.
4	उद्योग अकादमिक एकीकरण, कौशल/उद्यमिता एवं रोजगार विकास प्रकोष्ठ	प्रो. डॉ.ए.सी. वर्मा, प्राध्यापक	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या. श्री हरीश पात्रे, अतिथि व्या.
5	भारतीय ज्ञान परंपरा, प्रादेशिक देशज संसाधन एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा.प्रा.	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ.संदीप बघेल,अतिथि व्या. श्री गोविन्द यादव,अतिथि व्या.
6	विद्यार्थी सहायता मेन्टरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा.प्रा.	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या श्री गोविन्द यादव,अतिथि व्या.
7	संस्थागत गतिविधियॉ , शैक्षणिक प्रदर्शन एवं प्रसारण प्रकोष्ठ	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा.	डॉ.संदीप बघेल,अतिथि व्या. डॉ. धीरज शर्मा, अतिथि व्या. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या श्री हरीश पात्रे, अतिथि व्या.

''मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे ।''

संवैधानिक समितियॉं

क्र.	प्रकोष्ठ का नाम	संयोजक/अध्यक्ष	सदस्य
1	स्टॉफ कॉउंसिल	प्राचार्य पदेन	प्रो. डॉ.ए.सी. वर्मा, प्राध्यापक (सचिव) सदस्य: समस्त शिक्षकगण
2	जनभागीदारी समिति	प्राचार्य पदेन सचिव	प्रभारी अधिकारी: प्रो. डॉ. ए.सी. वर्मा, प्राध्यापक
3	आईक्यूएसी	प्राचार्य पदेन अध्यक्ष	समन्वयक: श्री रामरती निषाद सहा. प्रा. प्राणीशास्त्र सदस्य: समस्त शिक्षकगण छात्र सदस्य: दुर्गेश हठिले बीएससी तृतीय सेमेस्टर डोमन पटेल बीकॉम प्रथम सेमे. स्नेहा तिवारी बीए प्रथम सेमे.
4	अनुशासन एवं एंटी रैगिंग समिति	डॉ. सी.एस. राजपूत, सहा. प्रा.	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या श्री गोविन्द यादव,अतिथि व्या. छात्र सदस्य: राहुल देव बघेल बीकॉम तृतीय वर्ष, कु. कृष्णा निषाद बीएससी तृतीय वर्ष, कु. जया वर्मा बीएससी चतुर्थ सेमे.
5	शिकायत निवारण समिति	प्रो. डॉ. ए.सी.वर्मा प्राध्यापक	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. रामभरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ. कौसर नाजमी, अतिथि व्या. सुश्री रिया ठाकुर अतिथि व्या. छात्र सदस्य: धनराम बीए चतुर्थ सेमे. आकांक्षा राठौर बीएससी द्वितीय सेमे. नंदिनी एम.ए. भूगोल द्वितीय सेमे.
6	छात्रवृत्ति समिति	प्रो. डॉ. ए.सी.वर्मा प्राध्यापक	श्री मंगेश देवपुजारी, सहायक ग्रेड-02 श्री लक्ष्मण प्रसाद रजक, कम्प्यूटर ऑपरेटर
7	अजा/अजजा समिति	श्री रामरती निषाद, सहा. प्रा.	डॉ. संदीप बघेल, अतिथि व्या. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या. श्री हरीश पात्रे, अतिथि व्या. छात्र सदस्य : महेन्द्र पंद्राम बीए चतुर्थ सेमे. कु. सीता बीएससी चतुर्थ सेमे. कु. द्रौपती बीए चतुर्थ सेमे.
8	क्रय समिति	प्राचार्य पदेन अध्यक्ष	प्रो.डॉ. ए.सी.वर्मा प्राध्यापक (सचिव) डॉ.सी.एस. राजपूत सहा. प्रा. श्री रामरती निषाद, सहा. प्रा. डॉ. राजीव कुशवाहा अतिथि व्या. छात्र सदस्य: उमाशंकर गबेल बीएससी द्वितीय सेमे. कु. साक्षी बीएससी द्वितीय सेमे.
9	महिला उत्पीड़न समिति	डॉ.सी.एस. राजपूत सहा.प्रा.	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या. छात्र उत्पीड़न कु. गीता बीएससी चतुर्थ सेमे. कु. पायल बीए चतुर्थ सेमे. कु. चांदिनी एम.ए. द्वितीय सेमे.

सामान्य समितियां

क्र.	समिति का नाम	संयोजक	सदस्य
1	प्रवेश समिति	डॉ. सी.एस. राजपूत, सहा. प्रा.	सदस्यः सभी संकायों के शिक्षकगण
2	परीक्षा समिति	डॉ. सी.एस. राजपूत, सहा. प्रा.	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राजीव कुशवाहा अतिथि व्या. सुश्री रिया ठाकुर, अतिथि व्या. श्री हरीश पात्रे, अतिथि व्या.
3	एनईपी 2020 क्रियान्वयन समिति	श्री रामरती निषाद, सहा. प्रा.	डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ. कौसर नाजमी, अतिथि व्या. छात्र सदस्यः दुर्गेश हठीले बीएससी चतुर्थ सेमे. सुरेश बीए द्वितीय सेमे., कन्हैया पन्द्राम बीकॉम चतुर्थ सेमे., कु. जया वर्मा बीएससी चतुर्थ सेमे.
4.	समय-सारणी समिति	प्रो.डॉ. ए.सी. वर्मा, प्राध्यापक	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. धीरज शर्मा, अतिथि व्या. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. डॉ. कौसर नाजमी, अतिथि व्या. श्री गोविन्द यादव अतिथि व्या.
5.	एल्युमनी समिति	प्रो. डॉ. ए.सी. वर्मा, प्राध्यापक	डॉ. सी.एस. राजपूत, सहा. प्रा श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा. डॉ. राजीव कुशवाहा अतिथि व्या. डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. छात्र सदस्यः सागर बीएससी चतुर्थ सेमे. कु. ललिता बीए चतुर्थ सेमे.
6.	ग्रंथालय समिति	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा. प्रा. (प्रभारी अधिकारी)	डॉ.संदीप बघेल, अतिथि व्या., श्री गोविन्द यादव, अतिथि व्या. छात्र सदस्यः दीपशंकर एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय सेमे. कन्हैया पन्द्राम बीकॉम चतुर्थ सेमे.
7.	परिसर रख रखाव समिति	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा. प्रा. (प्रभारी अधिकारी)	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा., डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. श्री मंगेश देवपुजारी, सहायक ग्रेड-02 श्री जलेश कुमार, भृत्य, श्री शिवचरण श्याम, स्वछक
8.	अपलेखन समिति	श्री रामरती निषाद, सहा. प्रा.	डॉ. राजीव कुशवाहा, अतिथि व्या., डॉ. संदीप बघेल, अतिथि व्या. श्री मंगेश देवपुजारी, सहायक ग्रेड-02 छात्र सदस्यः कु. कंचन बी.कॉम चतुर्थ सेमे. कु. प्रांशी कोठारी बीए चतुर्थ सेमे.
9.	साइकल स्टेण्ड समिति	श्री रामरती निषाद, सहा.प्रा.	डॉ.संदीप बघेल, अतिथि व्या., श्री हरीश पात्रे, अतिथि व्या. श्री मंगेश देवपुजारी,सहायक ग्रेड-02, श्री जलेश कुमार, भृत्य छात्र सदस्यः डोमन पटेल बीकॉम द्वितीय सेमे. आकाश भट्ट बीए द्वितीय सेमे.

''असफलता वहीं हारती है जहाँ प्रयास रूक जाता है ।''

सामान्य समितियां

क्र.	प्रभार का नाम	प्रभारी अधिकारी का नाम	आबंटित कार्य
1.	प्रशासनिक एवं अकादमिक प्रभार	प्रो.डॉ. ए.सी.वर्मा. प्राध्यापक	डेली डायरी उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर एवं समस्त प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यो के प्रभारी- (प्राचार्य के समक्ष प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यो से सबंधित समस्त नोट शीट/पत्र प्रशासनिक एवं अकादमिक प्रभारी से हस्ताक्षर कराकर प्रस्तुत होगें)
2.	अकादमिक भवन के प्रभारी	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा. प्रा. (प्रभारी अधिकारी)	अकादमिक भवन के देखेरेख, एवं सफाई कक्षाओं का नियमित संचालन एवं विविध कार्य
3.	कम्प्यूटर कक्ष एवं कम्प्यूटर कक्षा प्रभारी	डॉ. धीरज शर्मा अतिथि व्या.	स्टॉफ एवं विद्यार्थियों हेतु कम्प्यूटर कक्षा का संचालन समय सारणी बनाना एवं नियमित पंजी अद्यतन करना
4	योग एवं व्यायामशाला, बैडमिन्टन कोर्ट एवं खेलकूद की गतिविधियॉ	श्री गोविन्द यादव अतिथि व्या. एवं श्री संदीप बघेल, अतिथि व्या.	योग एवं व्यायामशाला का संचालन, व्यायामशाला के समय के निर्धारण, बैडमिन्टन एवं अन्य खेलकूद की गतिविधियों का संचालन तथा पंजी सधारण
5.	हेल्प डेस्क	डॉ. राम भरोस साहू, अतिथि व्या. एवं श्री गोविन्द यादव अतिथि व्या.	प्रशासनिक भवन के कक्ष में विद्यार्थियों, पालकों एवं आंगतुकों की समस्याओं का निवारण
6.	टीसी एवं चरित्र प्रमाण पत्र	डॉ. सी.एस. राजपूत सहा. प्रा.	टीसी हेतु प्राप्त आवेदन का परिक्षण, एनओसी प्राप्त कर टीसी में हस्ताक्षर एवं दाखिल मे पंजीकृत खारिज करना

कार्यालयीन प्रभार

क्र.	प्रभार का नाम	प्रभारी अधिकारी का नाम	आबंटित कार्य
1.	श्री मंगेश देवपुजारी	सहायक ग्रेड-2	स्थापना सबंधी समस्त कार्य, लेखा सबंधी समस्त कार्य स्टोर सबंधी समस्त कार्य शुल्क संग्रहण एवं संबधित लेखा संधारण विधान सभा सबंधित कार्य कोषालय देयक सबंधित समस्त कार्य
2.	श्री लक्ष्मण प्रसाद रजक	कम्प्यूटर ऑपरेटर	आवक, जावक सबंधी समस्त कार्य कम्प्यूटर टंकण सबंधी समस्त कार्य विधानसभा सबंधित टंकण कार्य, छात्रवृत्ति सबंधित कार्य कोषालय देयक निर्माण टंकण कार्य

''गुरू केवल आपको शिक्षा दे सकता है उसका उपयोग कैसे करना है यह आपके ऊपर निर्भर करता है। ''

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं एवं बेस्ट प्रेक्टीसेज़

1. समस्त विभागों में परिषदों का गठन एवं क्रियाशील परिषद।
2. महाविद्यालयों के साथ अकादमिक समझौता ज्ञापन अनुबंध।
3. इंग्लिश क्लिनिक एवं इंग्लिश स्पीकिंग क्लब का संचालन।
4. सरस्वती मुक्ताकाश मंच एवं ज्ञान पथ।
5. विद्यार्थियों के बैठने हेतु महाविद्यालय उद्यान में सीमेंट का सोफा।
6. राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई।
7. रोवर्स एवं रेंजर्स।
8. रेडक्रॉस यूनिट।
9. कम्प्यूटर कक्ष।
10. सुव्यस्थित गर्ल्स कॉमन रूम।
11. साफ–सुथरा प्रसाधन कक्ष।
12. समाचार पत्र पठन स्टैण्ड।
13. कैरम स्पेस, बैडमिंटन कोर्ट एवं शतरंज।
14. योग एवं व्यायाम शाला।
15. क्रिएटीव कार्नर (रचनात्मक स्थल)।
16. शुद्ध एवं शीतल पेयजल।
17. विद्यार्थी संवर्धन कार्यक्रम।
18. हेल्प डेस्क।

GNC Kuikukdur
WhatsApp channel

GNC Kui-Kukdur Facebook

GNC Kui-Kukdur Instagram

GNC Kui-Kukdur YouTube

X Account QR Code of GNC Kui-Kukdur

GNC Kui-Kukdur Website

महाविद्यालय में प्रवेशित समस्त विद्यार्थियों एवं स्टाफ महाविद्यालय के सोशल मीडिया अकाउंट को सब्सक्राइब/फॉलो अवश्य करें। महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों की जानकारी, सूचना, निर्देश एवं अन्य आवश्यक जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेषित की जाएगी।

संस्था की विवरणिका

महाविद्यालय का लक्ष्य छात्र/छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा एवं उनके बौद्धिक, शैक्षणिक, नैतिक दृष्टि से प्रतिवर्ष प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का निर्माण करना है जो भावी राष्ट्र निर्माण में सहायक हो सके ।

यह महाविद्यालय जून 2018 में स्थापित हुआ है । इस महाविद्यालय का परिसर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कुकदुर के सामने, मेन रोड पर स्थित है । यह महाविद्यालय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त है । वर्तमान में स्नातक स्तर पर बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम. एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल एवं रसायन शास्त्र के विषयों के अध्यापन की व्यवस्था है ।

(क) प्रवेश के मार्गदर्शक नियम -

1. महाविद्यालय में प्रवेश की अधिकतम संख्या उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग.शासन एवं संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की जाती है ।
2. प्रवेश ऑनलाईन पोर्टल के द्वारा गुणानुक्रम के अनुसार दिया जावेगा । अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के लिए छ.ग. शासन के नियमानुसार स्थान आरक्षित होंगें ।
3. महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त शैक्षणिक सुविधाएँ मुख्यत: छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिए है ।
4. महाविद्यालय में प्रवेश एक विशेषाधिकार है, जिसे निष्ठापूर्ण कार्यों एवं सदाचार द्वारा अर्जित किया जाना चाहिये ।

प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर निर्धारित किया जाता है। स्नातकोत्तर स्तर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर पद्धति लागू की गई है जो वर्तमान में संचालित है ।

(ख) प्रवेश सीमा (स्नातक स्तर) :

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	140	बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर	140
बी.एस.सी. (बायो) प्रथम सेमेस्टर	140		

(ग) स्नातकोत्तर स्तर - सेमेस्टर पद्धति (चार सेमेस्टर)

हिन्दी साहित्य	30 सीट
राजनीति शास्त्र	30 सीट
समाजशास्त्र	30 सीट
भूगोल	30 सीट
एम.एस.सी. रसायन शास्त्र	30 सीट

महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषय समूह एवं संकाय

कला संकाय -

बी.ए. भाग - 1 (सेमेस्टर एक एवं दो) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	प्रावधानानुसार
बी.ए. भाग - 2 (सेमेस्टर तीन एवं चार) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	
बी.ए. भाग - 3 (सेमेस्टर पंचम एवं षष्ठम) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	
बी.ए. भाग - 4 (सेमेस्टर सप्तम एवं अष्टम) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	

स्नातकोत्तर कक्षाएँ - (सेमेस्टर पद्धति)

कला संकाय के निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन की व्यवस्था है -

1. हिन्दी 2. राजनीति शास्त्र 3. समाजशास्त्र 4. भूगोल

वाणिज्य संकाय -

बी.काम. भाग - 1 (सेमेस्टर एक एवं दो) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	प्रावधानानुसार
बी.काम. भाग - 2 (सेमेस्टर तीन एवं चार) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	
बी.काम. भाग - 3 (सेमेस्टर पंचम एवं षष्ठम) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	
बी.काम. भाग - 4 (सेमेस्टर सप्तम एवं अष्टम) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	

विज्ञान संकाय -

बी.एस.सी.- भाग - 1 (सेमेस्टर एक एवं दो) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	प्रावधानानुसार
बी.एस.सी.- भाग - 2 (सेमेस्टर तीन एवं चार) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	
बी.एस.सी.- भाग - 3 (सेमेस्टर पंचम एवं षष्ठम) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	
बी.एस.सी.- भाग -4 (सेमेस्टर सप्तम एवं अष्टम) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	

स्नातकोत्तर कक्षाएं (सेमेस्टर पद्धति)

विज्ञान संकाय के अंतर्गत निम्नलिखित विषय में स्नातकोत्तर अध्ययन की व्यवस्था है -

1. रसायन शास्त्र

प्रवेश शुल्क विवरण (स्नातक कक्षाओं के लिए)

सत्र : 2026-2027

स. क्र.	शुल्क विवरण	बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के लिए शुल्क	बीए प्रथम सेमेस्टर के लिए शुल्क	बीए प्रथम सेमेस्टर (भूगोल) के लिए शुल्क	बीएससी प्रथम सेमेस्टर के लिए शुल्क
	शासकीय शुल्क				
1	शिक्षण शुल्क	117	117	117	117
2	प्रवेश शुल्क	3	3	3	3
3	स्टेशनरी आदि शुल्क	7	7	7	7
4	प्रायोगिक शुल्क	0	00	20	20
	कुल योग	**127**	**127**	**147**	**147**
	अशासकीय शुल्क				
1	सम्मिलित निधि	34	34	34	34
2	अवधान शुल्क	60	60	60	60
3	परिचय पत्र	70	70	70	70
4	छात्र सहायता निधि	5	5	5	5
5	रेड क्रॉस शुल्क	40	40	40	40
6	वाचनालय शुल्क	50	50	50	50
7	चिकित्सा शुल्क	10	10	10	10
8	छात्र संघ प्रवेश	5	5	5	5
9	स्नेह सम्मेलन शुल्क	100	100	100	100
10	प्रायोगिक विकास शुल्क	—	—	50	50
11	सायकल स्टैण्ड शुल्क	50	50	50	50
12	आंतरिक मुल्यांकन शुल्क	50	50	50	50
13	महाविद्यालय विकास शुल्क	200	200	200	200
14	ग्रंथालय कार्ड	25	25	25	25
15	महाविद्यालय पत्रिका	30	30	30	30
	कुल योग	**729**	**729**	**779**	**779**
	विश्वविद्यालयीन शुल्क				
1	शारीरिक कल्याण शुल्क	200	200	200	200
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण शुल्क	10	10	10	10
3	विश्वविद्यालय ग्रंथालय शुल्क	20	20	20	20
4	युवा गतिविधि शुल्क	1	1	1	1
	कुल योग	**231**	**231**	**231**	**231**
	जनभागीदारी शुल्क				
1	जनभागीदारी शुल्क	500	500	500	500
	कुल शुल्क की राशि				
	महायोग	**1587**	**1587**	**1657**	**1657**

टीपः— 1. प्रवेश हेतु विवरणिका की कीमत रू. 100.00 अलग से देय होगा।

2. अजा एवं अजजा वर्ग के छात्र–छात्राओं को एवं अन्य पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्ग के छात्राओं को शासन के नियमानुसार शुल्क में छूट प्रदान किया जायेगा ।

प्राचार्य

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदुर

प्रवेश शुल्क विवरण (स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए)

सत्र : 2026-2027

स. क्र.	शुल्क विवरण	एमए प्रथम सेमेस्टर एवं एमए द्वितीय सेमेस्टर के लिए शुल्क	एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.एस. सी. द्वितीय सेमेस्टर के लिए शुल्क	एमए तृतीय सेमेस्टर एवं एमए चतुर्थ सेमेस्टर के लिए शुल्क	एम.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर एवं एम. एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के लिए शुल्क
	शासकीय शुल्क				
1	शिक्षण शुल्क	126	156	126	156
2	प्रवेश शुल्क	3	3	3	3
3	स्टेशनरी आदि शुल्क	7	7	7	7
4	प्रायोगिक शुल्क	0	30	0	30
	कुल योग	**136**	**196**	**136**	**196**
	अशासकीय शुल्क				
1	सम्मिलित निधि	34	34	34	34
2	अवधान शुल्क	100	100	—	—
3	परिचय पत्र	70	70	70	70
4	छात्र सहायता निधि	5	5	5	5
5	रेड क्रॉस शुल्क	40	40	40	40
6	वाचनालय शुल्क	50	50	50	50
7	चिकित्सा शुल्क	10	10	10	10
8	छात्र संघ प्रवेश	5	5	5	5
9	स्नेह सम्मेलन शुल्क	100	100	100	100
10	प्रायोगिक विकास शुल्क	—	100	—	100
11	सायकल स्टैण्ड शुल्क	50	50	50	50
12	आंतरिक मुल्यांकन शुल्क	50	50	50	50
13	महाविद्यालय विकास शुल्क	540	540	540	540
14	ग्रंथालय कार्ड	25	25	25	25
15	महाविद्यालय पत्रिका	30	30	30	30
	कुल योग	**1109**	**1209**	**1009**	**1109**
	विश्वविद्यालयीन शुल्क				
1	शारीरिक कल्याण शुल्क	200	200	200	200
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण शुल्क	10	10	10	10
3	विश्वविद्यालय ग्रंथालय शुल्क	20	20	20	20
4	युवा गतिविधि शुल्क	1	1	1	1
	कुल योग	**231**	**231**	**231**	**231**
	जनभागीदारी शुल्क				
1	जनभागीदारी शुल्क	1000	1000	1000	1000
	कुल शुल्क की राशि				
	महायोग	**2476**	**2636**	**2376**	**2536**

टीपः— 1. प्रवेश हेतु विवरणिका की कीमत रू. 100.00 अलग से देय होगा।

2. अजा एवं अजजा वर्ग के छात्र—छात्राओं को एवं अन्य पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्ग के छात्राओं को शासन के नियमानुसार शुल्क में छूट प्रदान किया जायेगा ।

3. स्व वित्तीय पीजी पाठ्यक्रम में अध्यापन हेतु रू. 3000.00 अतिरिक्त शुल्क देय होगा।

प्राचार्य

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदुर

छात्रवृत्ति संबंधी :

1. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र ऑनलाईन भरे जाएँगे। इन आवेदन पत्रों को छात्रों द्वारा प्रमुख के माध्यम से संचालक उच्च शिक्षा संचालनालय रायपुर को भेजा जाना चाहिए।
2. स्नातक छात्रवृत्तियाँ, उच्च शिक्षा के आवंटन के आधार पर महाविद्यालय द्वारा स्वीकृत की जाती है।
3. सभी छात्रवृत्तियों के लिये ऑनलाईन आवेदन पत्र महाविद्यालय से आदिम जाति कल्याण विभाग को निर्धारित तिथि पर भेजा जाना चाहिए।
4. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति सभी छात्रवृत्तियों हेतु आवेदन पत्र महाविद्यालय से ऑनलाईन भरे जाएँगे।
5. शासन द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु जारी तिथि के अनुसार फार्म भरे जाएँगें।
6. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन पत्र, आय तथा जाति प्रमाण पत्र की प्रतियां निर्धारित तिथि के पूर्व जमा करना अनिवार्य होगा।
7. बी.पी.एल. बुक बैंक योजना (नियम 2005)।
8. बी.पी.एल. छात्र कल्याण (नियम 2005)।
   (उपर्युक्त दोनों योजनाओं 7 एवं 8 का लाभ गरीबी कल्याण रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले छात्र/छात्राओं को मिलेगा)
9. अजीम-प्रेमजी छात्रवृत्ति की सुविधा राज्य शासन द्वारा प्रदत्त।

छात्रवृत्ति के संबंध में छात्रों से अपेक्षित कार्यवाही :

1. छात्रों को कौन सी छात्रवृत्ति प्राप्त हो सकती है इस संबंध में विवरणिका से स्वयं जानकारी प्राप्त कर लेना चाहिए अथवा प्रभारी प्राध्यापक से छात्रवृत्ति की जानकारी लेना चाहिए।
2. आवेदन पत्र निर्धारित समय से एक सप्ताह पूर्व महाविद्यालय के कार्यालय में जमा करना चाहिए। इसी प्रकार नवीनीकरण हेतु निर्धारित प्रपत्र में प्रगति विवरण सही-सही भरकर अंकसूची के साथ समय-समय पर कार्यालय में जमा करें ताकि कार्यालय उन्हें समय पर संबंधित कार्यालय भेज सके।
3. समय-समय पर प्रभारी से छात्रवृत्ति की जानकारी हेतु उनके द्वारा नियत समय पर संपर्क स्थापित कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
4. कार्यालय में फार्म जमा करने के पूर्व छात्र-छात्राएँ देखें कि -
   - क. आवेदन पत्र में संपूर्ण कालम सही भरे गये हैं या नहीं।
   - ख. सही छात्रवृत्ति के लिये आवेदन किया है या नहीं।
   - ग. आवेदन के हस्ताक्षर अथवा फार्म जमा करने की तिथि अंतिम है या नहीं।
   - घ. आवश्यक प्रमाण पत्र जैसे अर्हताकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने की अंकसूची, आचरण प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, कक्षा में प्रवेश लेने का प्रमाण पत्र, छात्रावासी (यदि हो) होने का प्रमाण पत्र संलग्न किया गया है या नहीं।
   - ड. पूर्व में छात्रवृत्ति प्राप्त हो रही है तो उसका उल्लेख किया या नहीं।
   - च. न्यूनतम शर्त की पूर्ति होती है अथवा नहीं, जैसे अर्हकारी परीक्षा छत्तीसगढ़ से उत्तीर्ण की है या नहीं, निर्धारित अंक प्राप्त किये हैं या नहीं, माता-पिता की आय निर्धारित सीमा में है या नहीं।

उपस्थिति संबंधी नियम :-

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय/एन.सी.सी./एन.एस.एस. में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है इसके अभाव में वह विश्वविद्यालय परीक्षाओं से वंचित हो सकता है ।

समय-समय पर उपस्थिति के आंकड़ों की जानकारी प्राप्त करना प्रत्येक विद्यार्थी का व्यक्तिगत उत्तरदायित्व होगा । तत्संबंधी जानकारी उन्हें प्राध्यापकों तथा विभागाध्यक्षों से संपर्क साधकर प्राप्त करते रहना चाहिए । उपस्थिति में कमी के संबंध में महाविद्यालय विद्यार्थी या उनके पालकों को सूचना देने के लिये उत्तरदायी नहीं है । जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति 15 नवम्बर तक 60 प्रतिशत से कम होगी, उनके परीक्षा आवेदन विश्वविद्यालय को अग्रेषित नहीं किये जाएँगे।

महाविद्यालयीन परीक्षाएँ :-

विद्यार्थियों को कक्षा में ली जाने वाली आंतरिक परीक्षा तथा अन्य परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य है ।

परिचय पत्र:-

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करते समय परिचय पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। महाविद्यालय में प्रवेश करते समय एवं विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रम में भाग लेते समय तथा महाविद्यालय में किये जाने वाले समस्त व्यवहारों के समय प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से परिचय पत्र प्रस्तुत करना होगा । परिचय पत्र के बिना विद्यार्थी को महाविद्यालय का छात्र नहीं माना जायेगा । परिचय पत्र गुम हो जाने पर दूसरा परिचय पत्र निर्धारित शुल्क जमा करने पर दिया जायेगा । महाविद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों को परिचय पत्र अनिवार्य रूप से कार्यालय में जमा करना होगा ।

गणवेश :

महाविद्यालय में प्रवेश उपरांत समस्त छात्र-छात्राओं को निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है।

एन.एस.एस. (राष्ट्रीय सेवा योजना) :-

महाविद्यालय में एन.एस.एस. की एक पुरूष इकाई कार्यरत है । इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को शहरी बस्तियों और गांवों में समाज सेवा के कार्य करने होते हैं । 240 घंटे की सेवा करने पर तथा सात दिवसीय शिविर पूर्ण करने पर विश्वविद्यालय से 'बी' प्रमाण पत्र मिलता है । समाज सेवा के अंतर्गत श्रमदान, वृक्षारोपण, प्रौढ़ शिक्षा, स्वच्छता, रक्तदान, अल्प बचत, प्राथमिक उपचार आदि कार्य करने होते हैं । तीसरे वर्ष प्रोजेक्ट लिखने व नियमित गतिविधि में भाग लेने पर पर 'सी' प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय से प्राप्त होता है।

पुस्तकालय, वाचनालय एवं बुक बैंक :-

यू.जी.सी. एवं शासन की सहायता से निर्धन एवं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के लिए बुक बैंक का गठन किया गया है जिससे विद्यार्थियों को संपूर्ण सत्र के लिए पुस्तकें दी जाती है ।

नोट - ऐसे छात्र जो बुक बैंक पुस्तकें लेने की पात्रता रखते हैं विवरणिका में संलग्न फार्म भरकर पुस्तकालय अधिकारी को देंगें । पुस्तकालय के उपयोग के लिए परिचय पत्र का लाना आवश्यक है । जुलाई माह में फीस कार्ड और प्रवेश कार्ड भी प्रस्तुत करना आवश्यक है ।

साइकिल स्टैण्ड :-

महाविद्यालय में साइकल स्टैण्ड की व्यवस्था है । प्रत्येक विद्यार्थी से पूरे सत्र के लिए शुल्क स्टैण्ड के रख रखाव और संचालन हेतु लिया जाता है । सभी साइकिलें स्टैण्ड पर ही रखी जाएगी । कोई भी विद्यार्थी बरामदे या कमरों, पोर्च आदि में साइकल रखने पर दण्ड का भागी होगा । अन्यत्र साईकल रखने पर अगर गुम होती है तो महाविद्यालय की जिम्मेदारी नहीं होगी ।

सायकल स्टैण्ड हेतु महाविद्यालय में एक समिति का भी गठन किया गया है जो सायकल स्टैण्ड से संबंधित समस्त नियमों एवं नियमों के अनुपालन हेतु उत्तरदायी होगी।

स्वास्थ्य परीक्षण :-

महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र/छात्रा को स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा । यह जाँच किसी चिकित्सक द्वारा नियत तिथि को होगी जिसकी सूचना समय-समय पर विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा प्रदान की जायेगी। कुकदुर में स्थित शासकीय चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के साथ रक्त वर्ग परीक्षण भी किया जायेगा।

अनुशासन व्यवस्था :-

महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु विभिन्न नियम एवं आचरण संहिता लागू की गई है जिसे प्रत्येक विद्यार्थी को पालन करना अनिवार्य है । महाविद्यालय का प्रत्येक नियमित विद्यार्थी परिचय-पत्र धारण कर ही महाविद्यालय में प्रवेश करेगा । परिचय-पत्र कार्यालय से प्राप्त कर उसे धारण करना विद्यार्थी का कर्तव्य होगा। महाविद्यालय में अनुशासन व्यवस्था और अनुशासनहीनता के मामलों की जांच एवं निर्णय के लिए एक अनुशासन समिति गठित है जिसका निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

रेडक्रॉस सोसायटी :-

महाविद्यालय में रेडक्रॉस सोसायटी कार्यरत है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को सेवा कार्य करने की प्रेरणा दी जाती है एवं समय-समय पर रक्तदान शिविर, रक्त वर्ग परीक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, जन-जागरूकता अभियान इत्यादि आयोजित किये जाते है ।

खेल विभाग :- महाविद्यालय में खेल की निम्नलिखित सुविधा उपलब्ध है -

1. फुटबाल	2. बालीबाल	3. बैडमिंटन	4. क्रिकेट
5. कबड्डी	6. शतरंज	7. एथलेटिक्स	8. हैण्डबाल
9. कैरम	10. योग	11. व्यायाम	

सूचना का अधिकार :-

प्रशासनिक कार्यो में पारदर्शिता लाने हेतु सूचना के अधिकार का प्रावधान है । नागरिक अधिकारों की सुरक्षा की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है । समयानुसार विद्यार्थी इसका प्रयोग कर सकते हैं ।

छत्तीसगढ़ के शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिये आचरण - संहिता

सामान्य नियम :

छत्तीसगढ़ के शासकीय महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय के नियमों का अक्षरशः पालन करना होगा । इनका पालन न करने पर वह शासन द्वारा निर्धारित दण्डात्मक कार्यवाही का भागीदार होगा ।

1. विद्यार्थी शालीन वेशभूषा में महाविद्यालय में आयेगा । किसी भी स्थिति में उसकी वेशभूषा उत्तेजक नहीं होना चाहिए ।
2. प्रत्येक विद्यार्थी अपना पूर्ण ध्यान अध्ययन में लगाएगा, साथ ही महाविद्यालय द्वारा आयोजित पाठ्येत्तर गतिविधियों में सहभागिता अपेक्षित होगी।
3. महाविद्यालय परिसर में वह शालीन व्यवहार करेगा, अभद्र व्यवहार, असंसदीय भाषा का प्रयोग वाली गाली-गलौज, मारपीट या आग्नेय अस्त्रों का प्रयोग नहीं करेगा ।
4. प्रत्येक विद्यार्थी अपने शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नम्रता एवं भद्रता का व्यवहार करेगा।
5. महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखना प्रत्येक विद्यार्थी का नैतिक कर्तव्य है, वह सरल निर्व्यसन और मितव्ययी जीवन निर्वाह करेगा ।
6. महाविद्यालय की सीमाओं में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थो का सेवन सर्वथा वर्जित रहेगा ।
7. महाविद्यालय में इधर-उधर थूकना, दीवालों को गंदा करना या गंदी बातें लिखना सख्त मना है। विद्यार्थी के असामाजिक तथा अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।
8. विद्यार्थी अपनी मांगो का प्रदर्शन आंदोलन हिंसा या आतंक फैलाकर नहीं करेगा । विद्यार्थी अपने आप को दलगत राजनीति से दूर रखेगा तथा अपनी मांगों के संबंध में राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं अथवा समाचार पत्रों का सहारा नहीं लेगा ।
9. कक्षा में मोबाईल का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा ।

अध्ययन संबंधी नियम :

1. प्रत्येक विषय में विद्यार्थी की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी तथा यह एन.सी.सी./एन.एस.एस. में भी लागू होगी अन्यथा उसे वार्षिक परीक्षा में बैठने की पात्रता नहीं होगी ।
2. विद्यार्थी प्रयोगशाला में उपकरणों का उपयोग सावधानी पूर्वक करेगा एवं उनको स्वच्छ रखेगा ।

3. ग्रंथालय द्वारा स्थापित नियमों का पूर्णत: पालन करेगा, उसे निर्धारित संख्या में सही पुस्तकें प्राप्त होगी तथा समय से नहीं लौटाने पर निर्धारित दण्ड देना होगा ।

4. अध्ययन से सम्बन्धित किसी भी कठिनाई के लिये वह गुरूजनों के समक्ष अथवा प्राचार्य के समक्ष शांतिपूर्वक ढंग से अभ्यावेदन प्रस्तुत करेगा ।

5. व्याख्यान कक्ष, प्रयोगशाला या वाचनालय में पंखे, लाईट, फर्नीचर, इलेक्ट्रिक फिटिंग आदि का तोड़फोड़ करना दण्डात्मक आचरण माना जायेगा ।

परीक्षा सम्बंधी नियम :

1. विद्यार्थी को सत्र के दौरान होने वाली सभी सतत् आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य है ।

2. अस्वस्थतावश आंतरिक परीक्षाओं में सम्मिलित न होने की स्थिति में विद्यार्थी शासकीय चिकित्सक से मेडिकल सर्टिफिकेट प्रस्तुत करेगा तथा स्वस्थ होने के उपरांत परीक्षा देगा ।

3. परीक्षा में या उसके सम्बंध में किसी प्रकार के अनुचित लाभ होने या अनुचित साधनों का प्रयोग करने का प्रयत्न गंभीर दुराचरण माना जाएगा । जिस पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी ।

महाविद्यालय प्रशासन का अधिकार क्षेत्र -

1. यदि छात्र अनैतिकता मूलक या गंभीर अपराध में अभियुक्त पाया गया तो उसका प्रवेश तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा ।

2. यदि छात्र रैगिंग में लिप्त पाया गया तो छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थानों में प्रताड़ना प्रतिषेध अधिनियम 2001 के अनुसार रैगिंग किये जाने पर अथवा रैगिंग के लिये प्रेरित करने पर पॉच साल तक कारावास की सजा या पॉच हजार रूपये जुर्माना अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है ।

3. यदि विद्यार्थी समय-सीमा में शुल्क का भुगतान नहीं करता है तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा ।

4. यदि विद्यार्थी प्रार्थना पत्र अथवा आवेदन में तथ्यों को छिपायेगा अथवा गलत प्रस्तुत करेगा तो उसका प्रवेश निरस्त कर उसे महाविद्यालय से पृथक कर दिया जायेगा ।

5. महाविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये आवेदन पत्र में उसके पालक अभिभावक का घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य है ।

--00--

"Find out what you like doing best and get someone to pay you for doint it."

- Katharine Whitehorn

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का गठन 8 जनवरी 2026 को हुआ है।

विजन (दृष्टिकोण) (IQAC) : आंतरिक और बाहरी सहयोग से की गई सभी पहलुओं को संस्थागत और आत्मसात करते हुए उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए गुणवत्तापूर्ण संस्कृति को प्राथमिक चिंता के रूप में सुनिश्चित करना ।

उद्देश्य (Objective) : संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन को सुधारने के लिए सचेत, निरंतर और उत्प्रेरक (catalytic) कार्यवाही के लिए एक प्रणाली विकसित करना IQAC का प्राथमिक उद्देश्य है । गुणवत्ता संस्कृति को आत्मसात करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को संस्थागत बनाने के माध्यम से गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में संस्थागत कामकाज के उपायों को बढ़ावा देना ।

कार्य (Functions) : IQAC से अपेक्षित कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार है :-

- संस्थान की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए गुणवत्ता बेंचमार्क/मानदंडों (Parameters) का विकास और अनुप्रयोग करना ।
- सभी हितधारकों (Stakeholders) तक विभिन्न गुणवत्ता मापदंडों के बारे में जानकारी का प्रसार करना ।
- गुणवत्ता से संबंधित विषयों पर अंतर-संस्थागत (inter-institutional) और अंत:संस्थागत (intra-institutional) कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का आयोजन और गुणवत्ता सर्किलों को बढ़ावा देना।
- गुणवत्ता सुधार की दिशा में ले जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों का दस्तावेजीकरण (Documentation) करना।
- नैक (NAAC) के दिशा-निर्देशों और मानदंडों के अनुसार वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (IQAR) तैयार करना और जमा करना।

लाभ (Benefits) : IQAC निम्नलिखित कार्यो में सुगमता/योगदान प्रदान करेगा -

- गुणवत्ता वृद्धि की दिशा में संस्थागत कामकाज में स्पष्टता और फोकस सुनिश्चित करना।
- गुणवत्ता संस्कृति को आत्मसात् (internationalization) करना सुनिश्चित करना
- संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के बीच वृद्धि और समन्वय सुनिश्चित करना और सभी अच्छी प्रथाओं को संस्थागत बनाना ।
- संस्थागत कामकाज के सुधार के लिए निर्णय लेने हेतु एक मजबूत आधार प्रदान करना।
- उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) में गुणवत्तापूर्ण परिवर्तनों के लिए एक गतिशील प्रणाली के रूप में कार्य करना।
- दस्तावेजी और आंतरिक संचार की एक संगठित पद्धति का निर्माण करना।

महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में किये गये कार्य -

1. राज्य के 6 अन्य महाविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित।
2. संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन । (Faculty Enrichment Programme)
3. संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन। (Faculty Development Programme)
4. छात्र विकास कार्यक्रम का आयोजन । (Student Development Programme)
5. अतिथि व्याख्यान माला का आयोजन । (Guest Lecture Series)
6. सरस्वती मुक्ताकाश मंच एवं ज्ञान-पथ की स्थापना ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : एक परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्यों ?

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का भाव लिये गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, विषय संबंधित ज्ञान के साथ कौशल विकास, मूल्यपरक तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा की ओर उन्मुख करती है।
- इस नीति में सतत् मूल्यांकन का प्रावधान है जिससे विद्यार्थियों के मानसिक उर्जा के साथ बौद्धिक क्षमता में भी वृद्धि होगी।
- सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम होने के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव नहीं होगा।
- बहु-विषयक प्रणाली पर आधारित यह नीति विद्यार्थियों को उनकी इच्छानुसार दूसरे संकाय के विषयों का अध्ययन करने की स्वतंत्रता देती है।
- पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान पद्धति के समावेश के साथ पाठ्येत्तर गतिविधियों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।
- प्राद्योगिकी के अनुकूलतम उपयोग पर बल दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य प्रावधान :

- 03/04 वर्षीय बहु-संकायी स्नातक पाठ्क्रम
- समस्त पाठ्यक्रम क्रेडिट पर आधारित होने के साथ ही चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत होंगे।
- 03/04 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को विद्यार्थी अधिकतम 07 वर्षों में पूर्ण कर सकता है।
- पाठ्यक्रम अवधि में विद्यार्थी ''बहु-प्रवेश, बहु-निकास'' प्रावधान के अंतर्गत प्रथम वर्ष पूर्ण कर किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे उस संकाय के अंतर्गत 'सर्टिफिकेट' दो वर्ष पूर्ण कर छोड़ने पर 'डिप्लोमा' की उपाधि दी जायेगी एवं तृतीय वर्ष पूर्ण करने पर 'स्नातक' की उपाधि प्राप्त कर पाठ्क्रम को छोड़ सकता है।
- जिन विद्यार्थियों को विषय विशेष में विशेषज्ञता प्राप्त करने या शोध करने की इच्छा हो वे पाठ्यक्रम को निरंतर चौथे वर्ष में जारी रख सकते हैं एवं 'आनर्स/आनर्स विथ रिसर्च' की उपाधि चौथे वर्ष में प्राप्त कर सकते है।
- इस नीति के अंतर्गत बहु-विषयक शिक्षा, वैचरिक समझ एवं आलोचनात्मक सोच, नैतिक मूल्यों के साथ कौशल विकास को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।
- सतत् आंतरिक मूल्यांकन में 30: अंक एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा में 70% अंको का प्रावधान रखा गया है। विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने हेतु इन दोनो को मिलाकर (आंतरिक एवं सेमेस्टर परीक्षा) कुल 40 प्रतिशत प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- जेनेरिक एलेक्टिव के अंतर्गत कला/विज्ञान/वाणिज्य संकाय का विद्यार्थी अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय के किसी एक विषय को अपनी इच्छानुसार ले सकता है।
- विद्यार्थी शिक्षा के ऑनलाईन प्लेटफार्म यथा SWAYAM / MOOC में उपलब्ध पाठ्यक्रमों से भी विषय से संबंधित पाठ्क्रम की पढ़ाई कर सकता है।
- स्वाध्यायी छात्रों का समयबद्ध नामंकन और सतत मूल्यांकन द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

पूर्व की शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अंतर :

शिक्षा नीति 1986	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
03 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम	03/04 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
वार्षिक प्रणाली	सेमेस्टर प्रणाली
क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम नहीं था	क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम एवं अन्य संकाय के विषय चुनने की स्वतंत्रता
आंतरिक मूल्यांकन की व्यवस्था नहीं थी	आंतरिक मूल्यांकन में 30% एवं अंत सेमेस्टर में 70% अंको का प्रावधान
आनर्स पाठ्यक्रम नहीं था	आनर्स/आनर्स विथ रिसर्च पाठ्यक्रम चौथे वर्ष के विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध होगा।
इंटर्नशिप एवं एंट्रेप्रेन्यूरशिप की व्यवस्था नहीं थी	इंटर्नशिप एवं एंट्रेप्रेन्यूरशिप को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।
स्नातक पाठ्यक्रम के मध्य में पढ़ाई छोड़ने पर कोई भी उपाधि नहीं मिलती थी	प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष के पश्चात पढ़ाी छोड़ने पर क्रमशः सर्टिफिकेट /डिप्लोमा की उपाधि प्राप्त होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लाभ :

- विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ।
- मूल्य परक, कौशल विकास, क्षमता संवर्धन के साथ जेनेरिक इलेक्टिव विषय के अध्ययन से स्वरोजगार के अवसर में वृद्धि।
- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, डिजिटल साक्षरता के साथ रोजगार क्षमता एवं शारीरिक विकास को बढ़ाव देते हुये भविष्य की चुनौतियों के लिये तैयार करता है।
- पूरे प्रदेश में समरूप शिक्षा होने से वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ना।

Pool of Value Addition Courses (VAC)

S.No	Course Code	Course Title	Course Conduction
1	BOVAC-01	Herbal plant and human health	प्रति सत्र सूची में उपलब्धता के आधार पर विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा परिवर्तन किया जा सकेगा।
2	CHVAC-01	Chemistry in Daily Life	
3	COVAC-01	Concepts Of Business	
4	COVAC-02	Fundamental of Stock Market	
5	COVAC-03	Investing of Stock Market	
6	GOVAC-01	Geographical Knowledge in Ancient India	
7	HNVAC-01	संम्भाषण कौशल	
8	PAVAC-01	Panchayati Raj System	
9	PSVAC-01	Constitutional Value	
10	SOVAC-01	Indian Tradition and Values	
11	ZOVAC-01	Public Health and Hygiene	

Pool of Skill Enhancement Courses (SEC)

S.No	Course Code	Course Title	Course Conduction
1	BOSEC-01	Gardening and Floriculture	प्रति सत्र सूची में उपलब्धता के आधार पर विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा परिवर्तन किया जा सकेगा।
2	CHSEC-01	Chemical Analysis Techniques	
3	COSEC-01	Accounting For Every One	
4	COSEC-02	Banking Operation	
5	COSEC-03	E-Filling of Returns	
6	COSEC-04	Logistic Management	
7	ENSEC-01	Creative Writing	
8	GOSEC-01	Principle Of Map Making	
9	HNSEC-01	सम्प्रेषण कला एवं सर्जनात्मक हिन्दी	
10	PSSEC-01	Citizenship Duties and E-Governance	
11	SOSEC-01	Ethics ,Politics and Skill in Social Research	
12	ZOSEC-01	Vermiculture	

जनेरिक इलेक्टिव कोर्स (GE) हेतु विकल्प

मूल संकाय जिसमें प्रवेश लिया गया है।	जनेरिक इलेक्टिव कोर्स (GE) हेतु विकल्प
कला संकाय	महाविद्यालय में विज्ञान संकाय/वाणिज्य संकाय के अंतर्गत संचालित मूल विषय
विज्ञान संकाय	महाविद्यालय में कला संकाय/वाणिज्य संकाय के अंतर्गत संचालित मूल विषय
वाणिज्य संकाय	महाविद्यालय में विज्ञान संकाय/कला संकाय के अंतर्गत संचालित मूल विषय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020
स्नातक पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर (I Semester)

क्रं.	कक्षा	विषय	Credits
1-	B.A. I SEMESTER	AEC – Hindi Language DSC- Compulsory Subject- 3 1- Political Science 2- Sociology 3- Hindi Literature GE- One Subject From Other Faculty VAC- Any One From Pool	20 Credits
2.	B.Sc. I SEMESTER (BIO GROUP)	AEC – English Language DSC- Compulsory Subject- 3 1- Zoology 2- Botany 3- Chemistry GE- One Subject From Other Faculty VAC- Any One From Pool	20 Credits
3.	B.Com. I SEMESTER	AEC – Environmental Studies DSC- 3 Subject 1- Fundamental Of Accounting 2- Business Law 3- Business Economics GE- One Subject From Other Faculty VAC- Any One From Pool	20 Credits

द्वितीय सेमेस्टर (II Semester)

क्रं.	कक्षा	विषय	
1-	B.A. II SEMESTER	AEC – Environmental Studies DSC- Compulsory 3 Subject GE- One Subject From Other Faculty SEC- Any One From Pool	20 Credits
2.	B.Sc. II SEMESTER (BIO GROUP)	AEC – Hindi Language DSC- (Compulsory Subject) 4- Zoology 5- Botany 6- Chemistry GE- One Subject From Other Faculty SEC- Any One From Pool	20 Credits
3.	B.Com. II SEMESTER	AEC – English Language DSC- 3 4- Business Accounting 5- Business Mathematics 6- Business Environment GE- One Subject From Other Faculty SEC- any one from pool	20 Credits

तृतीय सेमेस्टर (III Semester)

क्रं.	कक्षा	विषय	
1-	B.A. III SEMESTER	AEC – English Language DSC- Compulsory 3 Subject DSE (01) - Anyone from Selected DSC OR GE (One Subject From Other Faculty) VAC- Any One From Pool	20 Credits
2.	B.Sc. III SEMESTER (BIO GROUP)	AEC – Environmental Studies DSC- (Compulsory Subject) 7- Zoology 8- Botany 9- Chemistry DSE (01) - Anyone from Selected DSC OR GE (One Subject From Other Faculty) VAC- Any One From Pool	20 Credits
3.	B.Com. III SEMESTER	AEC – Hindi Language DSC- 3 7- Corporate Accounting 8- Company Law 9- Principles of Management DSE (01) - Anyone from Selected DSC OR GE (One Subject From Other Faculty) VAC- Any One From Pool	20 Credits

चतुर्थ सेमेस्टर (IV Semester)

क्रं.	कक्षा	विषय	
1-	B.A. IV SEMESTER	AEC – Communicative Language DSC- All Compulsory Subjects DSE (01) - Anyone from Selected DSC OR GE- (One Subject From Other Faculty) SEC- Any One From Pool	20 Credits
2.	B.Sc. IV SEMESTER (BIO GROUP)	AEC – Communicative Language DSC- (Compulsory Subject) 10- Zoology 11- Botany 12- Chemistry DSE (02) - Anyone from Selected DSC OR GE - (One Subject From Other Faculty) SEC - Any One From Pool	20 Credits
3.	B.Com. IV SEMESTER	AEC – Communicative Language DSC- 3 10- Business Statistics 11- Cost Accounting 12- Fundamental Of Entrepreneurship DSE (01) - Anyone from Selected DSC OR GE - (One Subject From Other Faculty) SEC - Any One From Pool	20 Credits

पंचम सेमेस्टर (V Semester)

क्रं.	कक्षा	विषय	
1-	**B.A. V SEMESTER**	DSC- All Compulsory Subjects DSE (03) - Anyone from Selected DSC OR GE- (One Subject From Other Faculty) SEC(03)- Any One From Pool VAC (03)- Any One From Pool	20 Credits
2.	**B.Sc. V SEMESTER (BIO GROUP)**	DSC- (Compulsory Subject) 13- Zoology 14- Botany 15- Chemistry DSE (03) - Anyone from Selected DSC OR GE - (One Subject From Other Faculty) SEC(03)- Any One From Pool VAC (03)- Any One From Pool	20 Credits
3.	**B.Com. V SEMESTER**	DSC- (3 Compulsory Subject) 13- Income Tax Law &Accounting 14- Auditing 15- Management Accounting DSE (03) - Anyone from Selected DSC OR GE - (One Subject From Other Faculty) SEC(03)- Any One From Pool VAC (03)- Any One From Pool	20 Credits

षष्ट्म सेमेस्टर (VI Semester)

क्रं.	कक्षा	विषय	
1-	**B.A. VI SEMESTER**	DSC- All Compulsory Subjects DSE (04) - Anyone from Selected DSC OR GE- 06 (One Subject From Other Faculty) SEC(04)- /Internship/Apprenticeship/Project/Outreach activity)	20 Credits
2.	**B.Sc. VI SEMESTER (BIO GROUP)**	DSC- (Compulsory Subject) 16- Zoology 17- Botany 18- Chemistry DSE (04) - Anyone from Selected DSC OR GE - 06 (One Subject From Other Faculty) SEC(04)- SEC(04)- /Internship/Apprenticeship/Project/Outreach activity)	20 Credits
3.	**B.Com. VI SEMESTER**	DSC- (3 Compulsory Subject) 16- Indirect Tax with GST 17- Managerial Economics 18- Principle & Practice of Insurance DSE (04) - Anyone from Selected DSC OR GE - 06 (One Subject From Other Faculty) SEC(04)- SEC(04)- /Internship/Apprenticeship/Project/Outreach activity)	20 Credits

सप्तम् सेमेस्टर (VII Semester)

क्र.	कक्षा	विषय	
1-	**B.A. VII SEMESTER**	DSC- 07 – A/B/C DSE – 05 to 08 from selected DSC	20 Credits
2.	**B.Sc. VII SEMESTER (BIO GROUP)**	DSC- 07 – A/B/C Zoology/ Botany/Chemistry DSE – 05 to 08 from selected DSC	20 Credits
3.	**B.Com. VII SEMESTER**	DSC- **19- Advanced Accounting** DSE – 05 to 08 from selected DSC (Anyone from Selected DSE)	20 Credits

अष्ट्म सेमेस्टर (VIII Semester)

क्र.	कक्षा	विषय	
1-	**B.A. VIII SEMESTER**	DSC- 08 – A/B/C DSE – 09 to 12 from selected DSC	20 Credits
2.	**B.Sc. VIII SEMESTER (BIO GROUP)**	DSC- 08 – A/B/C Zoology/ Botany/Chemistry DSE – 09 to 12 from selected DSC	20 Credits
3.	**B.Com. VIII SEMESTER**	DSC- **20. - Statistical Analysis** DSE – 09 to 12 from selected DSC	20 Credits

Choice Based Credit System (CBCS) Under NEP-2020 is implemented

Course Code	Course Name (as per UGC)
1. DSC	Discipline Specific Course
2. DSE	Discipline Specific Elective
3. GE	Generic Elective (Multidisciplinary)
4. AEC	Ability Enhancement Course
5. SEC	Skill Enhancement Course
6. VAC	Value Addition Course
7. Internship/Apprenticeship	-
8. Research Methodology Project & Dissertation	-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से सबंधित प्रश्न

प्रश्न 1 :- क्रेडिट क्या है एवं सेमेस्टर से तात्पर्य क्या है ?

उत्तर :- सैद्धांतिक विषयों में 15 घंटे की कुल कक्षा/15 अध्ययन-अध्यापन की अवधि एवं प्रायोगिक विषयों में 30 घंटे के प्रायोगिक कार्य/सर्वे को 01 क्रेडिट कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई विषय 02 क्रेडिट का है तो उसकी अध्ययन-अध्यापन की अवधि 30/60 घंटे की होगी। सेमेस्टर से तात्पर्य प्रति 6 माह की अध्ययन अध्यापन अवधि है।

प्रश्न 2 :- CBCS से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर :- CBCS का अर्थ चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (Choice Based Credit System) है जिसके अंतर्गत एक संकाय का विद्यार्थी दूसरे संकाय का कोई भी विषय जो क्रेडिट पद्धति पर आधारित है को पठन-पाठन हेतु चुन सकता है।

प्रश्न 3 :- बहु-प्रवेश-बहु-निकास (Multiple Entry-Multiple Exit) क्या है ?

उत्तर :- बहु-प्रवेश-बहु-निकास राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत ऐसा प्रावधान है जिसमें विद्यार्थी निर्धारित पाठ्यक्रम में कई बार बहु-प्रवेश-बहु-निकास कर सकता है परन्तु उसे स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम को अधिकतम 07 वर्ष की अवधि में पूर्ण करना होगा। 07 वर्ष में पूर्ण न करने की स्थिति में वह पाठ्यक्रम से बाहर हो जाएगा।

प्रश्न 4 :- क्या पूर्व की तरह सम्पूर्ण अंक वार्षिक परीक्षा पर ही आधारित हैं ?

उत्तर :- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित सभी पाठ्यक्रमों में आंतरिक मूल्यांकन पर 30% अंक एवं समेस्टर परीक्षा पर 70% अंक निर्धारित हैं। विद्यार्थियों को आंतरिक परीक्षा एवं समेस्टर परीक्षा दोनों के अंकों को मिलांकन उत्तीर्ण होने के लिए 40% अंक आवश्यक है।

प्रश्न 5 :- क्या सेमेस्टर अंत परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है?

उत्तर :- आतंरिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं होने पर विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी नहीं किये जायेंगे। अत: आंतरिक परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

प्रश्न 6 :- कितने आंतरिक परीक्षाएं होंगी और क्या सभी का अंक सेमेस्टर परीक्षा के अंक के साथ जुड़ेगा ?

उत्तर :- एक सेमेस्टर में कुल 03 आंतरिक परीक्षा होगी जिसमें से बेहतर 02 के अंकों को सेमेस्टर परीक्षा के अंको के साथ जोड़ा जाएगा।

प्रश्न 7 :- क्या विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में बिना कोई क्रेडिट अर्जित किये द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है?

उत्तर :- विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में बिना कोई क्रेडिट अर्जित किये द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है परंतु उसे आंतरिक परीक्षा में पूर्ण या आंशिक रूप से सम्मिलित होना अनिवार्य है।

प्रश्न 8 :- क्या विद्यार्थी प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में बिना कोई क्रेडिट अर्जित किये तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है?

उत्तर :- नहीं, विद्यार्थी को तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर दोनों को मिलाकर कुल क्रेडिट का 50% क्रेडिट अर्जित करना अनिवार्य है।

प्रश्न 9 :- क्या विद्यार्थी अन्य महाविद्यालय में संचालित विषय/विषयों को अपनी इच्छानुसार चुन सकता है ?

उत्तर :- वर्तमान में विद्यार्थी केवल वही विषय/विषयों को अपनी इच्छानुसार चुन सकता है जो उसके द्वारा प्रवेश लिए महाविद्यालय में उपलब्ध है।

रैगिंग संबंधी परिनियम

महाविद्यालय परिसर में रैगिंग रोकने के लिये विशेष परिनियम :

1. यह विशेष विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालय के परिसर में रैगिंग कुप्रथा समाप्त करने के लिये स्थापित किया जा रहा है ।
2. इस परिनियम में निहित अनुदेश विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय परिसर और संबद्ध छात्रावास परिसर में होने वाली किसी घटना के लिये लागू होंगें । परिसर के बाहर की घटनाओं के लिये यह परिनियम प्रचलन में नहीं होगा ।
3. रैगिंग में निम्नलिखित अथवा इनमें से एक व्यवहार अथवा कार्य शामिल होगा :
   - अ. शारीरिक आघात जैसे चोट पहुंचाना, चांटा मारना, पीटना अथवा कोई दण्ड देना ।
   - ब. मानसिक आघात जैसे मानसिक कलेश पहुंचाना, छेड़ना, अपमानित करना, डांटना ।
   - स. अश्लील अपमान जैसे असभ्य चुटकुले सुनाना, असभ्य व्यवहार करना अथवा ऐसा करने के लिये बाध्य करना ।
   - द. सहपाठियों, साथियों या पूर्व छात्रों अथवा बाहरी असामाजिक तत्वों के द्वारा अनियंत्रित व्यवहार जैसे हुल्लड़ मचाना, चीखना–चिल्लाना आदि।
4. ऐसी किसी घटना की जानकारी प्राप्त होने पर अथवा ऐसी किसी घटना का अवलोकन करने पर महाविद्यालय के प्राचार्य को अथवा विश्वविद्यालय के कुलपति को कोई भी विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी, अभिभावक या कोई नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा । ऐसी शिकायत को प्राचार्य महाविद्यालय और कुलपति विश्वविद्यालयों में गठित प्राक्टोरियल बोर्ड को सौंपेंगे । इसमें चार वरिष्ठ शिक्षक, दो वरिष्ठ विद्यार्थी और दो अभिभावक सदस्य के रूप में प्राचार्य/कुलपति द्वारा मनोनीत किये जायेंगें। इस हेतु प्राक्टोरियल बोर्ड की विशेष बैठक आहूत की जायेगी । बैठक की सूचना, सूचना बोर्ड में मनोनीत वरिष्ठतम प्राध्यापक द्वारा सभी सदस्यों को दी जायेगी । यह वरिष्ठतम प्राध्यापक मुख्य प्रॉक्टर कहलायेंगें ।
5. प्रॉक्टोरियल बोर्ड प्रकरण की छानबीन करेगा और अपनी अनुशंसा महाविद्यालय के प्राचार्य/विश्वविद्यालय के कुलपति को सौपेंगे, जिसके आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जा सके।
6. प्राक्टोरियल बोर्ड की अनुशंसा पर महाविद्यालय के प्राचार्य/विश्वविद्यालय के कुलपति आवश्यकतानुसार कार्यवाही कर सकेंगें । दोषी पाये जाने पर संबंधित छात्र को निम्नानुसार दंड दिया जा सकेगा ।
   1. महाविद्यालय से एक या दो वर्ष के लिये निष्कासन ।
   2. राज्य के किसी भी महाविद्यालय या/एवं विश्वविद्यालय में दो वर्ष तक प्रवेश पर रोक ।
   3. दोषी छात्र को दंड के विरूद्ध अपील करने का अधिकार होगा । यह अपील महाविद्यालय के प्राचार्य/विश्वविद्यालय के कुलपति को संबोधित होगा ।
   4. महाविद्यालय के प्राचार्य/विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रॉक्टोरियल बोर्ड की ऐसी किसी भी घटना को विस्तृत जांच संस्थित करने का पूर्ण अधिकार होंगें और इस हेतु उच्च स्तर से स्वीकृति लेना आवश्यक नहीं होगा लेकिन की गई कार्यवाही की सूचना राज्य शासन को देना अनिवार्य होगा ।
   5. कोई भी न्यायालय (उच्च न्यायालय को छोड़कर) इस प्रकार की कार्यवाही में प्राचार्य/कुलपति की सहमति के बिना हस्तक्षेप नहीं कर सकेगा ।
   6. यदि रैगिंग का कृत्य किसी पूर्व छात्र अथवा अछात्र द्वारा किया गया है तो ऐसे व्यक्ति को पुलिस की सुपुर्द करने का अधिकार प्राचार्य/विश्वविद्यालय के कुलपति को होगा ।

      इनकी शिकायत पर पुलिस को दोषी व्यक्ति को हिरासत में लेना और एफ.आई.आर. दर्ज करवाना आवश्यक होगा ।

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदुर, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

महाविद्यालय स्टॉफ सूची

प्राचार्य

डॉ. जी.ए. घनश्याम

रसायन शास्त्र विभाग :-

1.	अखिलेश चंद्र वर्मा	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग :-

1.	डॉ. चन्द्रशेखर सिंह राजपूत	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

प्राणीशास्त्र विभाग :-

1.	श्री रामरती निषाद	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
2.	श्री हरीश पात्रे	अतिथि व्याख्याता

समाजशास्त्र विभाग :-

1.	डॉ. रामभरोस साहू	अतिथि व्याख्याता

वाणिज्य विभाग एवं प्रबंध संकाय :-

1.	डॉ. राजीव कुशवाहा	अतिथि व्याख्याता
2.	डॉ. धीरज शर्मा	अतिथि व्याख्याता

भूगोल विभाग :-

1.	डॉ. कौसर नाजमी	अतिथि व्याख्याता

राजनीति विज्ञान विभाग :-

1.	श्री गोविंद यादव	अतिथि व्याख्याता

अंग्रेजी विभाग :-

1.	डॉ. संदीप बघेल	अतिथि व्याख्याता

वनस्पति शास्त्र :-

1.	सुश्री रिया ठाकुर	अतिथि व्याख्याता

कार्यालय प्रबंधन

1.	**सहायक ग्रेड - 1**	**रिक्त**
2.	**सहायक ग्रेड - 2**	**श्री मंगेशदेव पुजारी**
3.	**सहायक ग्रेड - 3**	**रिक्त**

प्रयोगशाला तकनीशियन :-

1.	प्रयोगशाला तकनीशियन	रिक्त
2.	प्रयोगशाला तकनीशियन	
3.	प्रयोगशाला तकनीशियन	

चतुर्थ श्रेणी :-

1.	भृत्य	रिक्त
2.	भृत्य	
3.	चौकीदार	

जनभागीदारी समिति
जनभागीदारी मद से नियुक्त कर्मचारी

1.	श्री लक्ष्मण रजक	-	कम्प्यूटर ऑपरेटर
2.	श्री जलेश कुमार ध्रुर्वे	-	भृत्य
3.	श्री शिवचरण श्याम	-	स्वच्छक
4.	श्री लक्ष्मण ध्रुर्वे	-	भृत्य

''सफलता हमेशा केवल उन्हें मिलती हैं,
जो अपनी कमियों को मजबूत बनाते हैं ।''

हिन्दी विभाग

1. विभाग का नाम - हिन्दी
2. विभाग की स्थापना - जून 2018 से प्रारंभ हुआ।
3. विभाग में कार्यरत शिक्षकों की संख्या-01

   शिक्षक का नाम - **डॉ. चन्द्रशेखर सिंह राजपूत**

   एम.ए. संस्कृत साहित्य, इतिहास, हिन्दी, राजनीति शास्त्र,समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, छत्तीसगढ़ी, बी.एड, नेट, सेट(हिन्दी),पी-एच.डी,(संस्कृत)
4. हिन्दी विभाग में निर्धारित सींटे - स्नातक सींटे-140, स्नातकोत्तर सीटें-30
5. हिन्दी परिषद गठित
6. विभाग (हिन्दी परिषद) द्वारा किया गया कार्य - परिषद उद्घाटन उपरांत परिषद पदाधिकारियों का गठन एवं व्याख्यान का आयोजन हिन्दी मानकीकरण कार्यक्रम एवं सुमित्रानंदन पंत की जयंती कार्यक्रम मनाया गया।
7. हिन्दी विभाग की उपलब्धि-
   - हिन्दी विभाग द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं साहित्यिक विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
   - विभाग में अध्ययन सामग्री एवं मार्गदर्शन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं ।
   - हिन्दी भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर कार्य किया जाता है।

समाजशास्त्र विभाग

स्नातक स्तर में समाजशास्त्र विषय की स्थापना वर्ष जून 2018 तथा स्नातकोत्तर स्तर में समाजशास्त्र स्थापना वर्ष 2021 में हुआ।

समाजशास्त्र विभाग में कार्यरत अतिथि व्याख्याता : **डॉ. राम भरोस साहू**

शैक्षणिक योग्यता: **एम.ए., एम.फिल, नेट, पी.एच.डी. (समाजशास्त्र)**

स्नातक स्तर में प्रवेश हेतु शीट संख्या - 140, स्नातकोत्तर स्तर में प्रवेश हेतु शीट संख्या- 30

समाजशास्त्र परिषद का गठन- 10 मार्च 2026,

विभाग के प्रमुख कार्य :
- समाजशास्त्र विषय के अध्ययन को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता विकसित करना।
- समाजिक समस्याओं पर चर्चा एवं शोध को बढ़ावा देना।
- सेमिनार,कार्यशाला,वाद-विवाद, भाषण आदि कार्यक्रम
- आयोजित करना।
- विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल विकसित करना।
- समाज सेवा और सामाजिक कार्यो में छात्रों की भागीदारी बढ़ाना।
- समाज और शिक्षा के बीच सबंध मजबूत करना।

समाजशास्त्र परिषद के प्रमुख कार्य
- सेमिनार और संगोष्ठी आयोजित करना।
- सामाजिक सर्वेक्षण (Survey)करना
- सामाजिक समस्याओं पर चर्चा करना
- निबंध, वाद-विवाद और भाषण प्रतियोगिता आयोजित करना
- ग्रामीण या जनजातीय क्षेत्र का अध्ययन भ्रमण करना
- समाजसेवा कार्यक्रम चलाना
- शोध पत्र प्रस्तुति और अध्ययन समूह बनाना
- विभाग की उपलब्धियां
- समाजशास्त्र विभाग की स्वंतत्र समाजशास्त्र परिषद की स्थापना
- कार्यपरिषद का गठन

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की स्थापना - जून 2018, स्नातकोत्तर (भूगोल)-2021

शिक्षक का नाम- **डॉ. कौसर नाजमी**, अतिथि व्याख्याता

शिक्षक की योग्यता- **पी-एच.डी, जे.आर.एफ, एवं नेट, एम.फिल**

बी.ए. भूगोल में उपलब्ध सीटों की संख्या -140, एम.ए भूगोल में उपलब्ध सीटों की संख्या-30

भूगोल विभाग की विशेषताएं -

- नियमित कक्षाओं का संचालन किया जाता है।
- संपूर्ण पाठ्यक्रम का पठन-पाठन कार्य किया जाता है।
- मानचित्रण एवं ग्लोब अध्ययन कार्य किया जाता है।
- विद्यार्थियों की विभिन्न गतिविधियां आयोजन किया जाता है।
- सेमिनार एवं अतिथि व्याख्यान कराया जाता है।
- प्रायोगिक कार्य उपलब्ध सामग्री माध्यम से अध्ययन किया जाता है।
- विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय एवं वाचनालय कक्ष उपलब्ध है।

विभाग की उपलब्धियां

- प्रायोगिक कार्य एवं मानचित्र का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। भूगोल परिषद का गठन 25/03/2026 को किया गया।
- अतिथि व्याख्यान माला के अंतर्गत पर्यावरण दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया एवं पेन-बिन का नवाचार प्रारंभ किया गया।
- सेमिनार एवं व्याख्यान कार्य, सहपाठी शिक्षण कार्य, शैक्षणिक भ्रमण के द्वारा अध्ययन कार्य किया जाता है।
- मॉडल एवं चार्ट बनाना जाता है।
- विभिन्न विभागीय गतिविधियों आयोजन किया गया है।
- शोध एवं प्रकाशन का कार्य किया गया है।

राजनीति शास्त्र विभाग

स्नातक स्तर में राजनीतिशास्त्र विषय की स्थापना वर्ष जून 2018 तथा स्नातकोत्तर स्तर में राजनीतिशास्त्र विषय की स्थापना वर्ष 2021 में हुआ।

राजनीतिशास्त्र विभाग में कार्यरत अतिथि व्याख्याता - **श्री गोविंद यादव**

शैक्षणिक योग्यता - **एम.ए., नेट (राजनीतिशास्त्र)**

स्नातक स्तर में प्रवेश हेतु सीट संख्या -140, स्नातकोत्तर स्तर में प्रवेश हेतु सीट संख्या- 30

राजनीतिशास्त्र परिषद का गठन - 25 मार्च 2026

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं - विभाग का स्वंय का कक्ष

विभाग के प्रमुख कार्य-

- राजनीतिशास्त्र विषय के अध्ययन को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों में राजनीतिक जागरूकता विकसित करना।
- राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं पर चर्चा एवं शोध को बढ़ावा देना।
- सेमिनार, कार्यशाला, वाद-विवाद, भाषण आदि कार्यक्रम आयोजित करना।
- विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल विकसित करना।
- लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।
- राजनीति और शिक्षा के बीच सबंध मजबूत करना।

राजनीतिशास्त्र परिषद् के प्रमुख कार्य -

- सेमिनार और संगोष्ठी आयोजित करना
- राजनीतिक सर्वेक्षण (ैनतअमल)करना
- समसामयिक राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करना
- निबंध, वाद-विवाद और भाषण प्रतियोगिता आयोजित करना
- सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यक्रम चलाना
- शोध पत्र एवं प्रस्तुति और अध्ययन समूह बनाना
- विभाग की उपलब्धियां - राजनीतिशास्त्र विभाग की स्वंतत्र राजनीतिशास्त्र परिषद् की स्थापना, कार्यपरिषद का गठन

Department of English

1. Department Name - English Department
2. Establishment of the Department - June 2018
3. Faculty Member – **Sandeep Baghel**, **M.A., Ph.D**
   Guest Lecturer,
5. English Association has been established.
6. Features of the Department :
   - Regular guidance and counseling facilities for students.
   - Teaching through PPT, Audio and Video aids.
   - Clean and peaceful academic environment.
   - Facilities for speech, debate and co-curricular activities.
   - Use of ICT Tools for smart classroom teaching.
7. **Major Functions of the Department**
   - To provide theoretical and practical knowledge of English language & Grammer
   - To develop communication and spoken English skills among students.
   - To encourage participation in language and literary activities.
   - To prepare students for competitive examinations and career opportunities.

8. **Achievements of the department**
- To clear the doubts of English, English Clinic has been formed.
- For better English Speaking abilities, English Speaking Club has been formed.
- Use of modern teaching methods such as PP T, YouTube, audio-video aids and language activities.
- Guidance and support for competitive examinations and career development.
- Improvement in students communication and spoken English skills.
- Active participation of students in debate and speech activities.

रसायन शास्त्र विभाग

1. विभाग का नामः रसायन शास्त्र विभाग 2. विभाग की स्थापना : जून 2018
3. विभाग में कार्यरत शिक्षकः नाम- **डॉ. अखिलेश चंद्र वर्मा**, **प्राध्यापक, शैक्षणिक योग्यता- M.Sc., Ph.D**
4. प्रवेश हेतु निर्धारित सीट संख्या- स्नातक-140, स्नातकोत्तर-30
5. विभागीय परिषद- रसायन शास्त्र परिषद का गठन एवं उद्घाटन किया जा चुका है। परिषद विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास हेतु निरंतर क्रियाशील है। परिषद के सहयोग से विशेष कक्षाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।
6. **विभाग की विशेषताएं -**
   - विभाग में एक सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है।
   - अध्यापन कार्य ICT TOOls एवं Chalk- Talk के माध्यम से किया जाता है।
   - विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ के औषधीय पौधों की जानकारी विशेष रूप से प्रदान की जाती है।
   - विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध है।
7. **विभाग के प्रमुख कार्य**
   - विद्यार्थियों को रसायनशास्त्र विषय का गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अध्ययन कराना।
   - छात्र-छात्राओं को शोध कार्यो के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना।
   - विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं प्रयोगात्मक ज्ञान का विकास करना।
   - अध्ययन एवं अनुसंधान के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
   - विषय से सबंधित नवीनतम जानकारी एवं सुविधाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

8. **विभाग की उपलब्धियॉं**
- विभाग द्वारा परिषद के माध्यम से विशेष कक्षाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया जाता है तथा विद्यार्थियों को शोध एवं वैज्ञानिक अध्ययन के प्रति प्रेरित किया जाता है।
- विभाग द्वारा महाविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थित उद्योगों/औद्योगिक परिसरों में शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है।

प्राणीशास्त्र विभाग

1. विभाग का नाम - प्राणीशास्त्र विभाग
2. प्राणीशास्त्र विभाग की स्थापना - जून 2018
3. प्राणीशास्त्र विभाग में कार्यरत शिक्षक -

- **श्री रामरती निषाद,** सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष **M.Sc (Zoology), NET-2017, SET-2018, SET-2019, CG PSC Selected**
- **श्री हरीश पात्रे - M.Sc (Zoology), M.Phil.**

4. प्राणीशास्त्र विभाग में प्रवेश हेतु निर्धारित सीट संख्या - स्नातक स्तर - 140 सीट
5. प्राणीशास्त्र विभाग परिषद की स्थापना किया गया है।
6. प्राणीशास्त्र विभाग में उपलब्ध सुविधाएं-
   - सुसज्जित प्रयोगशाला (Laboratory)
   - आवश्यक वैज्ञानिक उपकरण, सूक्ष्मदर्शी (Microscope)
   - अध्ययन हेतु शैक्षणिक सामग्री, स्वच्छ एवं शांत अध्ययन वातावरण
   - ICT Tool का उपयोग कर स्मार्ट क्लास के माध्यम से अध्यापन कार्य
7. **विभाग के प्रमुख कार्य**
   - विद्यार्थियों को प्राणी विज्ञान विषय का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करना।
   - प्रयोगात्मक कार्यों एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
   - विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
   - समय-समय पर विषय से संबंधित व्याख्यान का आयोजन करना ।
   - विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कराना ।
8. **विभाग की उपलब्धियां -**
   - विभाग के विद्यार्थियों का विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन।
   - विभाग द्वारा समय-समय पर शैक्षणिक एवं प्रयोगात्मक गतिविधियों का सफल आयोजन।
   - गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम।
   - बेस्ट प्रैक्टिसेस के तहत महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के द्वारा ‘‘ वर्मीवाश एवं जैविक खाद ’’ तैयार कर उन्हें शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुख करने का प्रयास किया जा रहा है।

वनस्पति शास्त्र विभाग

विभाग का नाम - वनस्पति शास्त्र विभाग, विभाग की स्थापना - जून 2018

वनस्पति विभाग में कार्यरत शिक्षक - **सुश्री रिया ठाकुर,** अतिथि व्याख्याता वनस्पति शास्त्र **M.Sc. (Gold Medalist), SET (Life Science), B.Ed, PGDCA**

वनस्पति विभाग में प्रवेश हेतु निर्धारित सीट संख्या - स्नातक स्तर- 140 सीट, वनस्पति शास्त्र परिषद की स्थापना ।

वनस्पति विभाग में उपलब्ध सुविधाएं-

➢ सुसज्जित प्रयोगशाला (Laboratory)

➢ आवश्यक वैज्ञानिक उपकरण

➢ अध्ययन हेतु शैक्षणिक सामग्री

➢ स्वच्छ एवं शांत अध्ययन एवं अध्यापन का वातावरण

विभाग के प्रमुख कार्य -

- विद्यार्थियों को प्राणी विज्ञान विषय का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रयोगात्मक कार्यों एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
- महाविद्यालय परिसर के पौधों का QR कोड के माध्यम से डिजिटल विवरण उपलब्ध कराया गया।

8. **विभाग की उपलब्धियॉ**
   - विभाग द्वारा समय- समय पर शैक्षणिक एवं प्रयोगात्मक गतिविधियों का सफल आयोजन।
   - गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम।
   - विभागीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

वाणिज्य विभाग

विभाग का नाम - वाणिज्य विभाग, विभाग का स्थापना- जून 2018

वाणिज्य विभाग में कार्यरत शिक्षक - **डॉ. राजीव कुशवाहा**, अतिथि व्याख्याता वाणिज्य
एम कॉम, एम.फिल, पी.एच.डी.

- **डॉ. धीरज शर्मा,** अतिथि व्याख्याता वाणिज्य
एम.कॉम, एम.एड, यूजीसी-नेट, पीएचडी

वाणिज्य विभाग में प्रवेश हेतु निर्धारित सीट संख्या- स्नातक स्तर - 140 सीट

वाणिज्य परिषद - विभाग में वाणिज्य परिषद की स्थापना की गई है।

वाणिज्य विभाग में उपलब्ध सुविधाएं -

- सुसज्जित कक्षाएं (Classrooms)
- आवश्यक शिक्षण सामग्री कम्प्यूटर एवं इंटरनेट सुविधा
- अध्ययन हेतु संदर्भ पुस्तकें
- स्वच्छ एवं शांत अध्ययन वातावरण

विभाग के प्रमुख कार्य -

- विद्यार्थियों को वाणिज्य विषय का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- लेखांकन, व्यवसाय प्रबंधन एवं वित्तीय अध्ययन के प्रति विद्यार्थियों को प्रोत्साहित
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक एवं प्रबंधकीय कौशल का विकास करना।
- प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगोन्मुखी गतिविधियों हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठानों में वाणिज्य संबंधी ज्ञान प्राप्त करने हेतु भेजना।

8. **विभाग की उपलब्धियां -**

- विभाग का समय-समय का शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों का सफल आयोजन।
- गुणवत्ता शिक्षण एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम।
- संगोष्ठी, व्याख्यानमाला एवं केरियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन।

जनभागीदारी समिति (सत्र - 2024-26)

स.क्र.	पदनाम	नाम
1.	अध्यक्ष	श्री सोनू (दीपक) सलूजा
2.	उपाध्यक्ष	कलेक्टर प्रतिनिधि अनुभागीय अधिकारी, राजस्व पण्डरिया
3.	सचिव	प्राचार्य पदेन
4.	सदस्य	श्री रतीराम भट्ट
5.	सदस्य	श्रीमती दीपा ध्रुर्वे
6.	सदस्य	श्री बसंत वाटिया
7.	सदस्य	श्री दशरथ कुंभकार
8.	सदस्य	श्री राहुल जैन
9.	सदस्य	श्री संतोष श्रीवास
10.	सदस्य	श्री विजय मरकाम
11.	सदस्य	श्री भगउ राम ध्रुर्वे
12.	सदस्य	श्री विजय गढ़ेवाल
13.	सदस्य	श्रीमती जमुना मरावी

उच्च शिक्षा: समझौते से दोनों कॉलेजों के बीच होगा शैक्षणिक सहयोग

शिक्षा शोध के लिए दो कॉलेजों के बीच हुआ समझौता, नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नवागढ़. उच्च शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदुर के बीच गुरुवार को 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग, शोध एवं नवाचार गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस दौरान दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य, आईक्यूएसी प्रभारी, प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

शासकीय महाविद्यालय नवागढ़ के प्राचार्य प्रो. गिरीश कांत पांडे ने कहा कि बदलते समय में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि कौशल, तकनीक और नवाचार से जुड़ना आवश्यक हो गया है। यह एमओयू विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा। कुई-कुकदुर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एजी घनश्याम ने कहा कि यह समझौता "ज्ञान के आदान-प्रदान का मजबूत मंच" साबित होगा। इससे शिक्षकों और विद्यार्थियों को नए अवसर मिलेंगे तथा शोध कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारियों व प्रतिनिधियों नेऔपचारिक रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर किए तथा एक-दूसरे को स्मृति चिन्ह भेंट कर सहयोग को सुदृढ़ बनाने का संकल्प

इन क्षेत्रों में होगा विशेष सहयोग

- संयुक्त शोध परियोजनाएं एवं शोध पत्र प्रकाशन,
- , वर्कशॉप और अकादमिक सम्मेलन,
- छात्र-शिक्षक विनिमय कार्यक्रम
- विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण,
- स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा,
- डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट क्लासरूम का विस्तार ।

नवाचार • कुई- कुकदूर स्थित नवीन महाविद्यालय में की गई पहल

सरस्वती मुक्ताकाश मंच शुरू, अब किताबों के साथ ही संस्कृति पर जोर

भास्कर न्यूज | कुकदूर

बदलते दौर में जहां शिक्षा स्मार्ट क्लास और डिजिटल स्क्रीन तक सीमित होती जा रही है। वहीं कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र कुकदूर में एक अनोखी पहल ने सबका ध्यान खींचा है। शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई- कुकदूर में सरस्वती मुक्ताकाश मंच की शुरुआत कर शिक्षा को फिर से प्रकृति और भारतीय परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

यह पहल गुरुकुल परंपरा और भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने की दिशा में प्रयोग मानी जा रही है। मुक्ताकाश मंच की सबसे खास बात यह है कि यहां पढ़ाई चारदीवारी के भीतर नहीं, बल्कि प्रकृति की गोद में खुले आसमान के नीचे होगी। इस मंच का उद्देश्य छात्रों के भीतर का संकोच दूर करना है। साथ ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बढ़ाना और संवाद, वाद-विवाद और प्रस्तुति के जरिए सीखने का अवसर देना है। यहां छात्र सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मंच पर आकर अपने विचारों को व्यक्त करेंगे और व्यवहारिक ज्ञान भी हासिल करेंगे।

कुकदूर. खुले आसमान के नीचे पढ़ाई।

वनांचल के छात्रों को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म

यह पहल खासतौर पर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अब ये छात्र अपनी संस्कृति से जुड़े रहेंगे। आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख पाएंगे। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए भी तैयार हो सकेंगे।

गुरुकुलम को बनाया पाठ्यक्रम का हिस्सा

महाविद्यालय ने शिक्षा को नया आयाम देते हुए गुरुकुलम को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। इसके तहत छात्र सीखे हुए ज्ञान को मंच पर प्रस्तुत करेंगे। प्राचीन विज्ञान, गणित, दर्शन और लोक संस्कृति को पढ़ाई में शामिल किया गया है। अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मंच पर भविष्य में होंगे नए आयोजन

मुक्ताकाश मंच के जरिए भविष्य में नए आयोजन किए जाएंगे। कार्यशालाएं होंगी, व्याख्यान माला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षणिक संवाद जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इससे छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के नेतृत्व में यह पहल कर रहे।

कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू हुआ

कुकदूर| शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में शिक्षकों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर जीए घनश्याम ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्रभावी शिक्षण के लिए तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए शिक्षकों को प्रस्तुतीकरण कौशल में निपुण होना चाहिए। प्रशिक्षण के मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के डॉ. धीरज शर्मा रहे। पहले दिन उन्होंने एमएस वर्ड की बारीकियों, डॉक्यूमेंटेशन तकनीकों और कार्यस्थल पर आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम 9 मई तक प्रतिदिन शाम 4 से 5:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें शिक्षकों को पीपीटी निर्माण के उन्नत तरीके सिखाए जाएंगे।

कुई-कुकदुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

रिभूमि न्यूज ▶▶|कुई कुकदूर

क्रवार को शासकीय नवीन ाविद्यालय कुई कुकदुर एवं शल साइंस एंड मैनेजमेंट फेयर एसोसिएशन के युक्त तत्वाधान में दो सीय अंतर्राष्ट्रीय मेलन का आयोजन या गया। यह सम्मेलन टन एवं विकास विषय 26 एवं 27 सितम्बर को योजन किया गया, कॉन्फ्रेंस की आत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ी वर्मा ने संबोधन देते हुए अपने ार व्यक्त कॉन्फ्रेंस का संचालन रहे सहायक प्राध्यापक रामरति ाद किए, व्याख्याता संजय ारी एवं मुख्य अतिथि, डॉ प्रमोद ार कुलपति, अभ्योदय विद्यालय, खरगोन मध्यप्रदेश किया गया। इस अवसर पर -विदेश के अनेक विद्वानों ने ने विचार प्रस्तुत किए। कॉन्फ्रेंस मुख वक्ताओं के रूप में डॉ जीए

घनश्याम (संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा छग), डॉ डीके श्रीवास्तव (विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा रायपुर), व्याख्याता डॉ मकारियो गायटा (फिलीपींस), डॉ गुल एरकोल बायरम (तुर्की), डॉ एन्केलेदा लुलाज (यूरोप), व्याख्याता डॉ लोकेश्वर सिंह जोधाना, डॉ कुबेर सिंह गुरुपंच, व्याख्याता एम देवेंद्र, डॉ अवधेश कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ त्रिलोचन कुमार उपस्थित थें। अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, संस्कृति एवं आर्थिक दृष्टिकोण से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यमों से शोधार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने किया तथा आयोजन समिति ने सभी आगंतुकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

छात्र विकास: व्यक्तित्व निखार के दिए टिप्स

कुकदूर| कुई-कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास को लेकर छात्र विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के निर्देशन और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्राचार्य प्रो. घनश्याम ने व्यक्तित्व विकास विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। छात्रों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही उन्हें आगे बढ़ाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए संवाद कौशल विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के टिप्स दिए। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने अपने सवाल रखे, जिनका प्राचार्य ने विस्तार से समाधान किया। इससे विद्यार्थियों को अपने करियर और व्यक्तित्व विकास को लेकर दिशा मिली।

कार्यशाला में डिजिटल शिक्षा प्रणाली ई-लाइब्रेरी, ई-बुक्स की दी जानकारी

भास्कर न्यूज | कुकदूर

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में बुधवार को एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में ई-संसाधनों की जागरूकता और उपयोग विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम के निर्देशन में और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की पहल पर किया गया।

यह कार्यक्रम शासकीय केआरडी कॉलेज नवागढ़ (बेमेतरा) के साथ हुए एमओयू के तहत हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता केआरडी कॉलेज नवागढ़ की ग्रंथपाल हेमा साहू रहीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में डिजिटल शिक्षा प्रणाली, ई-लाइब्रेरी, ऑनलाइन जर्नल्स, ई-बुक्स और शोध पोर्टल्स के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली तेजी से डिजिटल हो रही है और शिक्षकों को ई-संसाधनों से जुड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल शिक्षण संसाधनों से जोड़कर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना था। सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य, आईक्यूएसी समन्वयक, सभी शैक्षणिक स्टाफ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में वक्ता को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

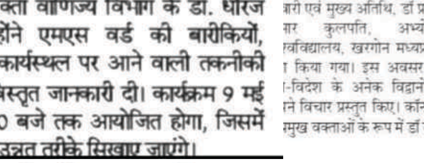

कुकदूर. ई- संसाधनों की जारूकता विषय पर चर्चा।

अच्छी पहल • संकाय संवर्धन कार्यक्रम की चौथी कड़ी का समापन, शिक्षा को प्रशिक्षण

प्रभावी संवाद ही शिक्षक की पहचान बॉडी लैंग्वेज भी जरूरी: डॉ. घनश्याम

भास्कर न्यूज | कुकदूर

वनांचल क्षेत्र कुई- कुकदूर स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक अनूठी पहल की जा रही है। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम (संकाय संवर्धन कार्यक्रम) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की चौथी कड़ी में इस बार फोकस कम्युनिकेशन स्किल्स (संचार कौशल) पर रहा। यहां शिक्षकों को बताया गया कि एक बेहतर संवाद कैसे छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी को कम कर सकता है। मुख्य वक्ता के रूप में प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने संचार कौशल विषय पर बेहद व्यावहारिक और प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संचार केवल शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि इसके कई गहरे आयाम हैं। बॉडी लैंग्वेज के बारे में बताते हुए डॉ. घनश्याम ने कहा कि पढ़ाते समय शिक्षक के खड़े होने का तरीका, आंखों का संपर्क और हाथों के संकेत विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को 40 प्रतिशत तक बढ़ा देते हैं। एक शिक्षक को विद्यार्थी की मनोदशा समझकर सरल और संवेदनशील संवाद करना चाहिए।

बेहतर संवाद छात्र व शिक्षक के बीच की दूरी कम कर सकता है

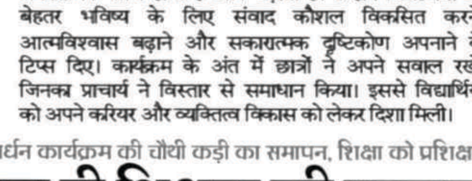

कुकदूर. शासकीय नवीन महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों व छात्रों को प्रशिक्षण देते हुए।

सिर्फ कोर्स ही पूरा नहीं करा रहा, स्किल पर भी फोकस

अक्सर सरकारी कॉलेजों में केवल कोर्स पूरा करने पर ध्यान दिया जाता है, लेकिन कुई- कुकदूर कॉलेज में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के जरिए शिक्षकों के प्रोफेशनल स्किल को निखारा जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आईक्यूएसी टीम ने सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कॉलेज प्रशासन ने प्रतिबद्धता दोहराई कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजन भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।यह कार्यक्रम केवल एकतरफा व्याख्यान नहीं था। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने संचार की बाधाओं और झिझक को दूर करने से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका प्राचार्य ने बड़ी सरलता से उत्तर दिया। इससे कार्यक्रम काफी रोचक और ज्ञानवर्धक बन गया।

अब चॉक-डस्टर के साथ क्लिक भी करना जरूरी

प्राचार्य डॉ. घनश्याम ने आधुनिक शिक्षण पद्धति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में डिजिटल संचार माध्यमों का उपयोग समय की मांग है। शिक्षकों को तकनीक के साथ तालमेल बिठाना होगा। ताकि वे वैश्विक स्तर के ज्ञान को स्थानीय छात्रों तक आसानी से पहुंचा सकें। इससे लाभ होगा।

संलग्न - 1

छात्र / छात्रा का आश्वासन पत्र

1. मैं ....(छात्र का नाम प्रवेश / पंजीयन / नामांकन सहित) पुत्र / पुत्री / श्री / श्रीमती / .... **शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुईकुकदुर, जिला – कबीरधाम (छ.ग.)** में हो चुका है या हो गया है को उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के अपराध को समाप्त करने के लिए यू.जी.सी. नियमावली 2009 प्राप्त की. उसको सावधानी पूर्वक पढ़ा और पूर्णतः समझा।

2. मैंने विशेषतः नियमों की कंडिका-3 का अध्ययन किया और रैगिंग किस प्रकार की होती है के प्रति सजग हुआ।

3. मैंने कंडिका 7 और 9.1 के नियमों का भी विशेष अध्ययन किया और मैं प्रशासकीय कार्यवाही से अवगत हूँ जिसके अंतर्गत यदि मैं रैगिंग को बढ़ावा देता हूँ / देती हूँ अथवा प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग करता / करती हूँ या षड्यंत्र करता / करती हूँ तो मेरे विरुद्ध कार्यवाही हो सकती है।

4. मैं सत्य निष्ठा से संकल्प लेता / लेती हूँ कि -
   (अ) मैं ऐसा कोई भी कार्य नहीं करुंगा / करुँगी जो कि कंडिका-3 के नियम के अंतर्गत रैगिंग की श्रेणी में आता हो।
   (ब) मैं ऐसे किसी भी कार्य में प्रतिभागी नहीं बनूँगा / बनूँगी जो कंडिका-3 के अंतर्गत अपराध को बढ़ावा देता हो या (लोकप्रिय) फैलाता हो।

5. मैं सत्य निष्ठा से वचन देता / देती हूँ कि यदि मैं रैगिंग में लिप्त पाया जाता / जाती हूँ तो मेरे विरुद्ध उक्त नियमों की कंडिका 9.1 के अंतर्गत बिना किसी पूर्व न्यायिक कार्यवाही के अपराधिक कार्यवाही की जा सकती है।

6. मैं घोषणा करता / करती हूँ कि देश की किसी भी संस्था से ना तो निकाला गया और ना ही प्रवेश के लिए वर्जित किया गया न ही रैगिंग जैसे अपराध को बढ़ावा देने सहायता करने या षड्यंत्र में अपराधी पाया गया / गई हूँ। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि यदि मेरी ये घोषणा असत्य पाई जाती है तो मेरा प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

घोषणा का दिनांक........................... माह......................... वर्ष..................................

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम ....

कक्षा ....

मो.नं. ....

.

सत्यापन

मैं सत्यापित करता / करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र में उल्लिखित सभी तथ्य मेरी जानकारी से सत्य है और कोई भी तथ्य गलत नहीं है तथा कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

सत्यापन का (स्थान) .... (दिन).......................... (माह)................. (वर्ष)..............

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

उपस्थिति में शपथ पत्र में उल्लिखित नियमों का अध्ययन कर (दिन) .... (माह) .... (वर्ष) .... को हस्ताक्षर आत्मिक स्वीकृति दी गई।

शपथ आयुक्त

संलग्न - 2

माता-पिता / अभिभावक का आश्वासन पत्र

1. मैं श्री / श्रीमती ....(माता-पिता / अभिभावक का नाम) श्री / कु. ....

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुईकुकदुर, जिला – कबीरधाम (छ.ग.) में प्रवेश हो चुका है, पुष्टि करता हूँ कि मुझे रैगिंग अपराध को समाप्त करने हेतु यू.जी.सी. की नियमावली 2009 प्राप्त हुई जिसे मैंने सावधानी पूर्वक पढ़ा और पूर्णतः समझा।

2. मैंने विशेषतः नियमों की कंडिका-3 का अध्ययन किया और रैगिंग क्या है से अवगत हुआ।
3. मैंने उक्त नियमों की कंडिका - 7 और 9.1 का विशेष अध्ययन किया और मैं पूर्ण रुप से अवगत हूँ कि यदि मेरा पुत्र / पुत्री रैगिंग को बढ़ावा देने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग करने में अपराधी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।
4. मैं सत्य निष्ठा से संकल्प लेता हूँ कि -
   (अ) मेरा पुत्र / पुत्री किसी भी प्रकार के रैगिंग अपराध में सम्मिलित नहीं होगा जो कि कंडिका-3 के अंतर्गत आता है।
   (ब) मेरा पुत्र / पुत्री किसी भी ऐसे कार्य में प्रतिभागी नहीं बनेगा तो कंडिका-3 के अंतर्गत रैगिंग अपराध की श्रेणी में आता हो।
5. मैं सत्यनिष्ठा से वचन देता हूँ कि यदि मेरा पुत्र / पुत्री रैगिंग अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध उक्त नियमों की कंडिका 9.1 के अंतर्गत बिना किसी पूर्व न्यायिक कार्यवाही के सजा हो सकती है।
6. मैं घोषणा करता हूँ कि मेरा पुत्र / पुत्री रैगिंग के अपराध के कारण देश की किसी संस्था से न तो निष्कासित किया गया न ही प्रवेश से वंचित किया गया।

   घोषणा का दिनांक .... माह .... वर्ष ....

शपथकर्ता के हस्ताक्षर
नाम ....
कक्षा ....
मो.नं. ....

सत्यापन

मैं सत्यापित करता हूँ कि उक्त शपथ पत्र में उल्लिखित सभी तथ्य मेरे स्वयं के ज्ञान व विश्वास के अनुसार सत्य है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

सत्यापन का (स्थान)........................... (दिन)..................(माह)................ (वर्ष)...................

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

उपस्थिति में शपथ पत्र में उल्लिखित नियमों का अध्ययन कर (दिन) .... (माह) .... (वर्ष) .... को हस्ताक्षर आत्मिक स्वीकृति दी गई।

शपथ आयुक्त

APPLICATION FORM FOR ADMISSION - 20.....-20......

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुईकुकदूर, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

GOVT. NAVEEN COLLEGE, KUI-KUKDUR, DISTT. KABIRDHAM (C.G.)

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत''

नवीनतम कलर पासपोर्ट साईज फोटो

S.No.

अंतिम परीक्षा का प्राप्तांक Marks obtained of Last Exam		अंतिम परीक्षा का पूर्णांक Total Marks of Last Exam	

1. पाठ्यक्रम /कक्षा जिसमें प्रवेश चाहिये ....

   Application for Admission to ....

2. आवेदक का नाम **(हिन्दी में)** श्री/कु./श्रीमती ....

   (Name of Candidate **(अंग्रेजी के केपिटल में)** Shri / Ku. / Smt.) ....

   आधार क्रमांक .... अपार आई डी .... मो.नं. ....

   (नोट - जो वर्तमान में उपयोग में हो वही मोबाईल नंबर अंकित करें, अन्यथा इसकी जिम्मेवारी संबंधत विद्यार्थी की होगी)

3. पिता का नाम (Father's Name) ....

4. माता का नाम (Mother's Name) ....

5. उस वर्ग का नाम जिसमें आप आते है (✔ लगावें)
   (Mention the category to which you belong)

सा. Gen.	अ.जा. SC.	अ.ज.जा. ST	अ.पि.व. OBC	विकलांग PH	स्व.सं.सेनानी FF	तृतीय लिंग Transgender

6. आवेदक द्वारा लिये जाने वाले विषयों के नाम

   AEC (Any One) 1. ....

   DSC (Any 3) 2. ....

   3. ....

   4. ....

   GE (Any -1) from other Faculty 5. ....

   VAC / SEC (Any -1) 6. ....

7. जन्मतिथि (Date of Birth) ....

   शब्दों में (In words) ....

8. ब्लड ग्रुप (Blood Group) ....

9. पत्र व्यवहार का पता दूरभाष सहित ....

(Mailing Address with telephone No.) ....**मो. नं.**....................

ई-मेल आई डी (क्रियाशील ई–मेल आई.डी. ही दें) ....

10. स्थायी पता पिनकोड व दूरभाष सहित ....

(Permanent Address with telephone No.) ....**मो. नं.**....................

ई-मेल आई डी (क्रियाशील ई–मेल आई.डी. ही दें) ....

11. उस व्यक्ति का नाम व पता जिससे आपात परिस्थिति में ....

संपर्क किया जा सके ....

12. माता एवं पिता का व्यवसाय ....

13. शैक्षणिक योग्यताएँ : (Educational Qualification)

परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण होने का वर्ष Year of Passing	बोर्ड/विश्वविद्यालय Board / University	विद्यालय/महाविद्यालय School / College	प्रतिशत Percentage	विषय Subject
हाईस्कूल अथवा समतुल्य High School or Equivalent					
हायर सेकेण्डरी अथवा समतुल्य 10 + 2 or Equivalent					
बी.ए./बी.काम./ बी.एस.सी./ बी.एच.एस.सी. अथवा समतुल्य B.A./B.Com./B.Sc./ B.H.Sc. or Equivalent					
एम.ए./एम.काम./ एम.एस.सी./एम.एच.एस.सी. अथवा समतुल्य M.A./M.com./M.Sc./ M.H.Sc. or Equivalent					
अन्य Other					

14. यदि पिछले वर्षो में आवेदक का अध्ययन क्रम जारी न रहा हो तो कारण एवं अवधि का उल्लेख कर शपथ पत्र संलग्न करें । ....

15. एन.सी.सी./एन.एस.एस./खेलकूद/अन्य किसी भी गतिविधियों में भाग लिया हो तो उपलब्धियों का ब्योरा देवें । ....

16. क्या आवेदक सेवारत है ? यदि है तो नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण-पत्र संलग्न करें । ....

17. क्या आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी है ? यदि हाँ तो किस स्थान की ....

18. क्या आप एन.एस.एस. लेना चाहते है ? ....

19. संलग्न पत्रों की सूची : (सभी संलग्न प्रपत्र राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित हो) **आवश्यकतानुसार**

1. पिछली परीक्षाओं की अंकसूचियाँ (Marksheets of last exams)
2. जन्म तारीख का प्रमाण पत्र / दसवीं की अंकसूची (Date of birth certificate / Marksheet of class 10th)
3. जाति / वर्ग प्रमाण-पत्र (Cast / Category certificate)
4. स्थानांतरण व चरित्र प्रमाण-पत्र मूल प्रति (T.C. & Character)
5. शपथ पत्र (Affidavit) if necessary
6. प्रवजन प्रमाण-पत्र (Migration Certificate)
7. निवास प्रमाण-पत्र

आवेदक द्वारा प्रतिज्ञा

मैने महाविद्यालय के नियमों, व्यवस्थाओं व आचरण संहिता का अध्ययन कर लिया है तथा प्रतिज्ञा करता / करती हूँ कि मैं अध्ययनरत् रहकर अपने कर्त्तव्यों तथा महाविद्यालय के नियमों एवं व्यवस्थाओं का पालन करता रहुंगा / करती रहूँगी तथा महाविद्यालय में अथवा बाहर एवं परीक्षाओं में किसी भी व्यवस्था या अनुशासनहीनता एवं हिंसात्मक कार्यवाही में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भाग नहीं लूंगा / लूंगी । मैं प्रत्येक मामले में प्राचार्य महोदय के निर्णयों का पालन करूंगा/करूंगी । मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने किसी भी तथ्य को छिपाया नहीं है और न ही असत्य जानकारी दी है । उपरोक्त प्रतिज्ञा के उल्लंघन करने की स्थिति में प्राचार्य को पूर्ण अधिकार होगा कि वे मुझे दंडित कर सकते है तथा निष्कासित भी कर सकते है जिसकी पूर्व सूचना मुझे या मेरे पालक को देना आवश्यक नहीं है। यदि मैं महाविद्यालय में रेगिंग में लिप्त पाया गया / पाई गई तो मुझे महाविद्यालय से निस्कासित किया जावे ।

दिनांक ....

आवेदक के हस्ताक्षर

अभिभावक का घोषणा-पत्र

मैं घोषणा करता / करती हूँ कि मेरी पुत्र/पुत्री/पाल्या द्वारा इस आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारी सत्य है । मैं महाविद्यालय में उसके अध्ययन काल में उसके आचरण, कार्यो, उपस्थिाति तथा दैनन्दिनी प्रगति और व्यवहार के सम्बंध में विशेष ध्यान दूंगा तथा उसके लिये पूर्णत: उत्तरदायी रहते हुये महाविद्यालय को पूर्ण सहयोग देता रहूँगा और महाविद्यालय को देय समस्त शुल्क की राशि के भुगतान का उत्तरदायित्व का वहन करूंगा । यदि मेरे पुत्र / पुत्री/पाल्या के विरूद्ध रेगिंग की शिकायत प्राप्त हुई तो उसे महाविद्यालय से निस्काषित किया जाए । इसमें पूर्ण सहमति होगी ।

पिता / अभिभावक के हस्ताक्षर

कार्यालयीन उपयोग हेतु

For Office Use Only

आवेदन - पत्र की समस्त प्रविष्टियों की जांच कर ली गयी है तथा उन्हें ठीक पाया गया। उनमें निम्नलिखित अपूर्णतायें तथा निम्नलिखित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किये गये है ।

1. ____________________

2. ____________________

दिनांक ....   **प्रधान लेखक**

प्रवेश समिति की अनुशंसा / टिप्पणी

1. आवेदक को निम्नलिखित प्रतिबंधों की अनुशंसा की जाती है ।   कक्षा ....

   विषय AEC : 1. ....

   DSC : 1. .... 2. .... 3. ....

   GE : 4. .... VAC / SEC 5. ....

2. आवेदक को निम्नलिखित प्रतिबंधों पर प्रवेश दिया जावे -

   अ. विषय परिवर्तन ....

   ब. आवेदन पत्र की निम्नलिखित आपूर्तियों की जावे -

   ....

3. आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जाता है ।

संयोजक, प्रवेश समिति

प्राचार्य का आदेश

श्री /कु./श्रीमती .... को उपर दशार्ये गई कक्षा में निहित शर्तो के अंतर्गत प्रवेश दिया जावे ।

दिनांक................   **प्राचार्य**

शुल्क शाखा

प्रवेश क्रमांक .... दिनांक ....

शास. शुल्क रसीद क्रमांक .... दिनांक .... राशि ....

अशास. शुल्क रसीद क्रमांक .... दिनांक .... राशि ....

जनभागीदारी शुल्क रसीद क्रमांक .... दिनांक .... राशि ....

शुल्क लिपिक के हस्ताक्षर

क्रमांक .... प्रवेश पत्र निर्गमित किया गया आवेदन-पत्र अस्वीकृत करने की सूचना की गई ।

प्रवेश लिपिक   **प्रधान लिपिक**

प्रवेश स्वीकृत/ अस्वीकृत

प्राचार्य